Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 265
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार, 01 अक्टूबर, 2025

# मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 इस वर्ष का पेराई सत्र 1 नवंबर से शुरू होगा-...

4 दवाओं के दुरुपयोग की समस्या, महिलाओं के...

7 रिंकू हुड्डा ने विश्व रिकॉर्डधारी गुर्जर को...

## नवरात्रि का 9वां दिन

## मां सिद्धिदात्री

**या देवी सर्वभूतेषु मां सिद्धिदात्री रूपेण संस्थिता।**
**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।**

अर्थ : हे मां! सर्वत्र विराजमान और मां सिद्धिदात्री के रूप में प्रसिद्ध अम्बे, आपको मेरा बार-बार प्रणाम है। या मैं आपको बारंबार प्रणाम करता हूं । हे मां, मुझे अपनी कृपा का पात्र बनाओ।

मां दुर्गाजी की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री हैं। ये सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली हैं। नवरात्रि-पूजन के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। इस दिन शास्त्रीय विधि-विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ साधना करने वाले साधक को सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है। सृष्टि में कुछ भी उसके लिए अगम्य नहीं रह जाता है। ब्रह्मांड पर पूर्ण विजय प्राप्त करने की सामर्थ्य उसमें आ जाती है।

मार्कण्डेय पुराण के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व- ये आठ सिद्धियां होती हैं। ब्रह्मवैवर्तपुराण के श्रीकृष्ण जन्म खंड में यह संख्या अठारह बताई गई है।

इनके नाम इस प्रकार हैं - 1. अणिमा 2. लघिमा 3. प्राप्ति 4. प्राकाम्य 5. महिमा 6. ईशित्व,वाशित्व 7. सर्वकामावसायिता 8. सर्वज्ञत्व 9. दूरश्रवण 10. परकायप्रवेशन 11. वाक्?सिद्धि 12. कल्पवृक्षत्व 13. सृष्टि 14. संहारकरणसामर्थ्य 15. अमरत्व 16. सर्वन्यायकत्व 17. भावना 18. सिद्धि

मां सिद्धिदात्री भक्तों और साधकों को ये सभी सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। देवीपुराण के अनुसार भगवान शिव ने इनकी कृपा से ही इन सिद्धियों को प्राप्त किया था। इनकी अनुकम्पा से ही भगवान शिव का आधा शरीर देवी का हुआ था। इसी कारण वे लोक में 'अर्द्धनारीश्वर' नाम से प्रसिद्ध हुए।

मां सिद्धिदात्री चार भुजाओं वाली हैं। इनका वाहन सिंह है। ये कमल पुष्प पर भी आसीन होती हैं। इनकी दाहिनी तरफ के नीचे वाले हाथ में कमलपुष्प है। प्रत्येक मनुष्य का यह कर्तव्य है कि वह मां सिद्धिदात्री की कृपा प्राप्त करने का निरंतर प्रयत्न करें। उनकी आराधना की ओर अग्रसर हो। इनकी कृपा से अनंत दुख रूप संसार से निर्लिप्त रहकर सारे सुखों का भोग करता हुआ वह मोक्ष को प्राप्त कर सकता है।

## रक्षा मंत्री बोले- आज की चुनौतियों से निपटने के लिए साझा प्रणाली जरूरी, एकीकरण से बढ़ेगा आत्मविश्वास

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि आज के समय में साइबर हमलों, सूचना युद्ध और बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय सेना के बीच बेहतर तालमेल और एक समान प्रणाली की जरूरत है। वह दिल्ली में आयोजित त्रि-सेवा संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय इस दिशा में हरसंभव सहयोग करेगा।

राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी सेनाओं ने वर्षों के अनुभव से अपनी ऑडिट प्रणाली विकसित की हैं। लेकिन आज के एकीकृत अभियानों के दौर में जरूरी है कि ये प्रणाली एक-दूसरे जुड़ी हों। अगर हर सेना अलग-अलग काम करेगी, तो फैसला लेना मुश्किल हो सकता है। एकीकृत प्रणाली से सेनाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आज हमें साइबर हमलों और सूचना युद्ध का खतरा है, इसलिए हमें इनके लिए मानक तय करने होंगे।

उन्होंने आगे कहा, जब हम मानक तय करने की बात करते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि सेनाओं की अपनी पहचान खत्म हो जाएगी। हम हर सेना पर एक जैसा तरीका नहीं थोप सकते। हमें ऐसी प्रणाली बनानी

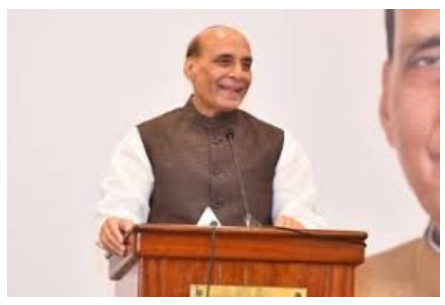

होगी जो तीनों सेनाओं के काम को एकसाथ जोड़े। मुझे भरोसा है कि इस पर गंभीर चर्चा होगी और रक्षा मंत्रालय पूरा सहयोग करेगा। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि देश को इस दिशा में लगातार काम करने की जरूरत है, ताकि एक ऐसी आधुनिक और सक्षम प्रणाली तैयार की जा सके जो सभी सेवाओं के लिए उपयोगी हो।

उन्होंने कहा, इसके लिए हमें लगातार संवाद की जरूरत होगी। इस प्रक्रिया में नेतृत्व की भूमिका बहुत अहम होगी। हर कदम पर यह स्पष्ट करना होगा कि यह सुधार क्यों जरूरी है। जब तक हर सेवा और हर कर्मचारी को 'संयुक्तता' का महत्व समझ में नहीं आएगा, तब तक यह सफल नहीं हो सकता। हम दूसरे देशों के अच्छे अनुभवों से सीख सकते हैं, लेकिन हर देश की अपनी परिस्थितियां होती हैं। हमें अपनी जरूरतों के हिसाब से समाधान तैयार करना होगा।

रक्षा मंत्री ने थल सेना, वायु सेना और नौसेना के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि देश ऑपरेशनल तैयारियों की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन अब अगला कदम 'त्रि-सेवा लॉजिस्टिक्स' का एकीकरण होना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें एक ऐसी डिजिटल प्रणाली बनानी चाहिए जो हर सेवा की जरूरतों का सम्मान करे और सभी के लिए जरूरी संसाधनों की स्थिति को साझा रूप से दिखा सके। इस दिशा में काम शुरू हो चुका है। हमें मिलकर संयुक्तता की ओर बढ़ना है। जब तीनों सेनाएं एक साथ आगे बढ़ेंगी, तभी हम बड़ी चुनौतियों का डटकर सामना कर सकेंगे।

राजनाथ सिंह ने देवी दुर्गा का उदाहरण देते हुए कहा, जब चुनौतियां बहुत बड़ी हों, तो एकता की ताकत अजेय बन जाती है। हमारी सेना ऑपरेशनल तैयारी कर रही है, वायुसेना और नौसेना भी इसी दिशा में काम कर रही हैं। लेकिन जैसे ही हम 'संयुक्त सेवा कमान' की बात करते हैं, तो अगला कदम 'अखिल भारतीय त्रि-सेवा लॉजिस्टिक्स एकीकरण' की दिशा में होना चाहिए।

### पीएम मोदी सीआर पार्क में दुर्गा पूजा उत्सव में होंगे शामिल, पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी

नई दिल्ली। दिल्ली यातायात पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शाम के दौरे से पहले चित्तरंजन पार्क में दुर्गा पूजा पंडालों में भारी भीड़ को देखते हुए मंगलवार को वाहन चालकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की। परामर्श में कहा गया है कि पंचशील और ग्रेटर कैलाश के बीच आउटर रिंग रोड, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, जे बी टीटो मार्ग, इंद्र मोहन भारद्वाज मार्ग और सी आर पार्क मुख्य मार्ग सहित कई हिस्सों पर दोपहर 3 बजे से आधी रात तक यातायात प्रतिबंध और डायवर्जन लागू रहेंगे। गुरुद्वारा रोड, बिपिन चंद्र पाल मार्ग और सी आर पार्क व ग्रेटर कैलाश छ की आंतरिक सड़कों पर वाहनों की आवाजाही की अनुमति नहीं होगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे प्रतिबंध के दौरान प्रभावित क्षेत्रों से बचें और भीड़भाड़ कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। सुझाए गए वैकल्पिक मार्गों में एमजी रोड, अरबिंदो मार्ग, मथुरा रोड, लाला लाजपत राय रोड और महरौली बदरपुर रोड शामिल हैं।

## डीएमके का दावा- विजय की रैली में तोड़े गए नियम; राज्य सरकार ने उल्लंघन का वीडियो किया जारी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने मंगलवार को अभिनेता-राजनेता विजय की करूर में हुई रैली के दौरान नियमों का उल्लंघन दिखाते हुए वीडियो जारी किए। सरकार का कहना है कि रैली में आए लोगों की संख्या अनुमान से दोगुनी थी, जिससे बड़ी असुविधा हुई।

'छत पर चढ़ते दिखाई दिए टीवीके के कार्यकर्ता'

सरकारी प्रवक्ता और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पी. अमुथा, स्वास्थ्य सचिव सेन्थिल कुमार और एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर एस. डेवासिरवथम ने सचिवालय में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान वीडियो और फोटो जारी किए। इन वीडियो में दिखाया गया कि टीवीके के कार्यकर्ता छत पर चढ़ते दिखाई दिए, जो नियमों के खिलाफ था। सरकार ने कहा कि इस तरह के

उल्लंघन और बड़ी भीड़ से सुरक्षा और व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा।

टीवीके कार्यकर्ताओं ने नियम तोड़े- सरकार

मामले में अधिकारियों ने बताया कि रैली में आए अनुमानित 10,000 लोगों की संख्या दोगुनी होकर 25,000 से ज्यादा हो गई, जिससे कई कठिनाइयां पैदा हुईं। सरकार ने वीडियो दिखाकर स्पष्ट किया कि टीवीके कार्यकर्ताओं ने दुकानों और घरों की छत पर चढ़कर नियम तोड़े। रैली के लिए चुनी गई जगह, करूर राउंडताना, पेट्रोल पंप और गंदे नाले के पास होने के कारण मंजूर नहीं की गई थी।

भीड़ बढ़ने से जनरेटर और लाइट की व्यवस्था प्रभावित हुई

एडीजीपी (कानून-व्यवस्था) डेवासिरवथम ने बताया कि पुलिस ने विजय को निर्धारित स्थान से 50 मीटर पहले रुकने के लिए कहा, लेकिन आयोजकों ने ऐसा नहीं किया। भीड़ बढ़ने से जनरेटर और रोशनी प्रभावित हुई। वहीं स्वास्थ्य सचिव पि. सेंथिलकुमार ने कहा कि भीड़ के गर्मी से प्रभावित होने और डिहाइड्रेशन के कारण कई लोग अस्पताल गए। रैली और उसके बाद के कार्यक्रमों में सड़क हादसों में भी लोग घायल हुए। करूर में 114 लोग घायल हुए, जबकि विलुपुरम में 42, मदुरै में 14 और तिरुचिरापल्ली में 12 घायल हुए। वहीं सरकार ने अफवाह फैलाने और हिंसा भड़काने वाली सामग्री से सावधानी बरतने की चेतावनी भी दी है।

## जाति जनगणना पर सिद्धारमैया का आह्वान, मनुवादी सोच के बहकावे में न आएं नागरिक

बैंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने चल रहे सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण का विरोध करने वाले भाजपा नेताओं पर निशाना साधा और उनके रुख को पाखंडी और मनुवादी मानसिकता से प्रेरित बताया। सर्वेक्षण को किसी के खिलाफ नहीं बल्कि सभी के पक्ष में बताते हुए एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण राज्य के सभी सात करोड़ निवासियों को शामिल करता है ताकि समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। सिद्धारमैया ने लिखा कि मनुवाद की विचारधारा यह तय करती है कि धन, अवसर और प्रतिनिधित्व एक ही हाथों में केंद्रित रहें; गरीब गरीब ही रहें, पिछड़े पिछड़े ही रहें, महिलाएं अवसरों से वंचित रहें और जातियों व समुदायों के बीच असमानता बनी रहे। दुर्भाग्य से, यह मनुवादी मानसिकता भाजपा नेताओं के भीतर गहराई से समाई हुई है।

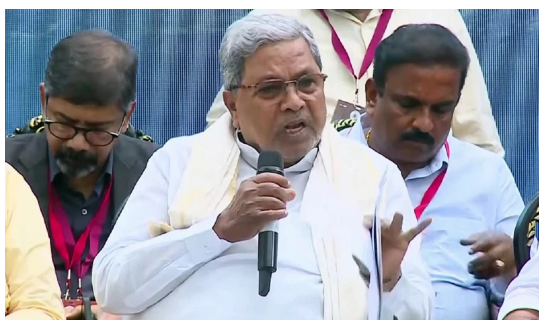

सर्वेक्षण के प्रति उनका विरोध इस प्रतिगामी विचार से उपजा है कि धन, अवसर और प्रतिनिधित्व प्रत्येक जाति और धर्म के विशेषाधिकार प्राप्त लोगों तक ही सीमित रहना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से राजनीति से प्रेरित और भ्रामक बयानों' को नज़रअंदाज़ करने और गणनाकर्ताओं के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। इस बीच, कांग्रेस विधान पार्षद रमेश बाबू ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से सर्वेक्षण का विरोध करने पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और बेंगलुरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी टिप्पणियों ने ओबीसी अधिकारों को कमज़ोर किया है और पार्टी से आरक्षण पर अपना आधिकारिक रुख स्पष्ट करने की मांग की।

हालाँकि, भाजपा नेताओं ने सर्वेक्षण के उद्देश्य और डेटा सुरक्षा पर चिंता जताई है। तेजस्वी सूर्या ने लोगों से इसका बहिष्कार करने का आग्रह किया और इसे अवैध और राजनीति से प्रेरित बताया, जबकि प्रह्लाद जोशी ने आरोप लगाया कि व्यक्तिगत जानकारी अनावश्यक रूप से एकत्र की जा रही है और दावा किया कि डेटा बेचा जा सकता है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि उनकी पार्टी जाति सर्वेक्षण के खिलाफ नहीं है, लेकिन कांग्रेस सरकार के विभाजनकारी इरादों का विरोध करती है।

### केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शिवपुरी के विकास कार्यों पर की अहम बैठक

शिवपुरी/नई दिल्ली। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज नई दिल्ली से अपने संसदीय क्षेत्र के शिवपुरी जिले के समग्र विकास कार्यों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक की। बैठक में स्थानीय विधायक, जिला कलेक्टर, प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में सभी प्रतिनिधियों के सुझाव लिए गए और सर्वसम्मति से अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। केन्द्रीय मंत्री ने बैठक में शहर की सुंदरता और यातायात को ध्यान में रखते हुए थीम रोड ब्यूटीफिकेशन तथा सर्कुलर रोड चौड़ीकरण परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। सिंधिया ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण से न केवल यातायात सुगम होगा बल्कि शिवपुरी शहर का स्वरूप भी आधुनिक और आकर्षक बनेगा। उन्होंने इन परियोजनाओं को शहर के विकास के लिए अत्यंत अहम प्रोजेक्ट बताते हुए संबंधित पदाधिकारियों को तय समय सीमा में कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

## राहुल गांधी की केंद्र से अपीलः लद्दाख में हिंसा-भय की राजनीति बंद हो, बातचीत से समस्या का हल निकले

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र से लद्दाख के लोगों से बातचीत करने का आग्रह किया। उन्होंने सरकार से 'बातचीत करने और हिंसा व भय की राजनीति बंद करने' का आह्वान किया। उन्होंने लेह में हुई हालिया हिंसा की निष्पक्ष न्यायिक जाँच की माँग की, जिसमें चार लोगों की जान चली गई।एक्स पर एक पोस्ट में, राहुल गांधी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि गोली लगने से मारे गए लोगों में से एक सैनिक परिवार से था। उन्होंने कहा, 'पिता सैनिक, बेटा भी सैनिक - जिनके खून में देशभक्ति दौड़ती है। फिर भी भाजपा सरकार ने देश के वीर सपूत की सिर्फ़ इसलिए गोली मारकर जान ले ली, क्योंकि वह लद्दाख और उसके अधिकारों के लिए खड़ा था। पिता की दर्द भरी आँखें बस एक ही सवाल पूछ रही हैं - क्या आज देश सेवा का यही इनाम है?'

राहुल ने निष्पक्ष न्यायिक जाँच की माँग को आगे बढ़ाते हुए इस मौत को हत्या बताया और कहा, 'हमारी माँग है कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जाँच हो और दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा मिले। मोदी जी, आपने लद्दाख के लोगों के साथ विश्वासघात किया है।' उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि लद्दाख के लोग 'अपने अधिकारों की माँग' कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वे अपने अधिकारों की माँग कर रहे हैं, बातचीत कर रहे हैं - हिंसा और भय की राजनीति बंद करें।'

इससे पहले, 24 सितंबर को लेह में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क उठी थी, जब स्थानीय भाजपा कार्यालय में आग लगा दी गई थी। इस झड़प में चार लोगों की मौत हो गई थी। दो दिन बाद, जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया था। उन पर 'हिंसा भड़काने' का आरोप लगाया गया है। लद्दाख के लोग केंद्र शासित प्रदेश को संविधान की अनुसूची VI में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। संविधान की इस अनुसूची में अनुच्छेद 244(2) और 275(1) शामिल हैं, जिनमें लिखा है, 'असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में प्रावधान।'

### पूर्वी अरुणाचल में भारतीय सेना का 'एक्सरसाइज ड्रोन कवच', युद्ध की तैयारी का हुआ सफल परीक्षण

ईटानगर। भारतीय सेना की पूर्वी कमान के अधीन स्पीयर कोर ने पूर्वी अरुणाचल प्रदेश की कठिन परिस्थितियों वाले अग्रिम इलाकों में 'एक्सरसाइज ड्रोन कवच' का सफल आयोजन किया। अभ्यास का मकसद ड्रोन युद्ध की अगली पीढ़ी के लिए भारतीय सेना की तैयारियों को को प्रदर्शित करना था। इस अभ्यास ने भारतीय सेना को अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक और काउंटर-ड्रोन सिस्टम्स परखने का मौका दिया।

सेना की तैयारी को परखा गया

भारतीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने गुवाहाटी में बताया कि चार दिनों तक चले इस युद्धाभ्यास में अग्रिम मोर्चों पर तैनात भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों ने भी भाग लिया। इस दौरान विभिन्न सामरिक अभ्यासों और युद्ध परिस्थितियों का अनुकरण करते हुए सेना की तैयारी को परखा गया। अभ्यास में लक्ष्य पहचान, सक्रिय और निष्क्रिय काउंटर-ड्रोन उपायों व निशाना साधकर उन्हें निष्क्रिय करने की रणनीतियों को सिमुलेटेड परिस्थितियों में आजमाया गया। साथ ही, यूनिट स्तर पर नई व्यवस्थाओं के जरिए भी तरीक़े और प्रक्रियाएं विकसित करने पर जोर दिया गया, ताकि सैन्य कामकाज और ज्यादा असरदार ढंग से किया जा सके।

एक्सरसाइज ड्रोन कवच

इस अभ्यास से मिले अनुभव भारतीय सेना को भविष्य के बहु-क्षेत्रीय और तकनीक-प्रधान युद्धक्षेत्र की गहरी समझ विकसित करने और ड्रोन युद्ध में निर्णायक बढ़त हासिल करने में मददगार होंगे। 'एक्सरसाइज ड्रोन कवच' भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और तकनीक आत्मसात करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उसे परिचालन उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

## पंजाब बाढ़ पर भगवंत मान की अमित शाह से गुहारः 20 लाख लोग प्रभावित, केंद्र दे विशेष पैकेज

चड़ीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हस्तक्षेप की अपील की और हाल ही में आई अभूतपूर्व बाढ़ के कारण हुए भारी नुकसान के मद्देनजर राज्य के लिए विशेष पैकेज की मांग की। भगवंत मान ने इस मुलाकात के बाद कहा कि आज मैंने देश के गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मैंने उन्हें पंजाब में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी दी, बताया कि 2,300 से अधिक गांव जलमग्न हो गए हैं। 20 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, 3200 स्कूल नष्ट हो गए हैं, 8500 किलोमीटर सड़कें मलबे में बदल गई हैं। उन्होंने हमारी बातों को बहुत ध्यान से सुना और कहा कि वे पंजाब के लिए और अधिक वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।

मान ने कहा कि अब तक 13,800 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया गया है, लेकिन यह बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। हर संकट में पंजाब देश के साथ खड़ा रहा है, अब जब पंजाब पर संकट है, तो देश को भी पंजाब के साथ खड़ा होना चाहिए।

इससे पहले भगवंत मान ने दावा किया कि भाजपा ने पंजाब में अघोषित राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल प्रधानमंत्री से मिलते हैं। उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने का समय नहीं मिलता... आपने पंजाब में अघोषित राष्ट्रपति शासन लगा दिया है। अगर पंजाब खाद्यान्न देने से इनकार कर दे तो आप क्या करेंगे? एक तरफ तो वे कहते हैं कि पंजाब हमारा अन्न भंडार है, लेकिन जब घाटा होता है, तो कहते हैं कि पैसा नहीं मिलेगा।

बिहार को केंद्र सरकार की सहायता पर टिप्पणी करते हुए, पंजाब के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्होंने बिहार की महिलाओं के लिए विशेष रूप से 7,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब में महिलाएं संघर्ष कर रही हैं, और उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार को उनकी दुर्दशा की कोई परवाह नहीं है। मान ने कहा कि बिहार में, जहाँ चुनाव हो रहे हैं, उन्होंने महिलाओं को लगभग 7,000 करोड़ रुपये दिए। यहाँ भी, महिलाएँ डूब रही हैं। वे तंबुओं में रह रही हैं, उनके घर पानी में डूबे हुए हैं। उन्हें यहाँ की बहनों और माताओं की परवाह नहीं है... मैं कल केंद्रीय गृह मंत्री के साथ इस सब पर चर्चा करूँगा।

### विजय ने सीएम स्टालिन से की अपील

## 'मेरे खिलाफ करें कार्रवाई, लेकिन कार्यकर्ताओं को परेशान...'

चेन्नई। टीवीके के प्रमुख और तमिल एक्टर विजय की की चुनावी रैली में 27 सितंबर का शाम मची भगदड़ के बाद एक वीडियो संदेश जारी किया है। विजय ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अभी तक भगदड़ के शिकार हुए लोगों से मुलाकात नहीं की है क्योंकि वहां मेरी मौजूदगी से 'असामान्य स्थिति' पैदा हो सकती है। मैंने अपने जीवन में इस तरह की दर्दनाक स्थिति नहीं देखी है, जल्द ही इस भगदड़ का सच सामने आएगा।

मंगलवार को अभिनेता विजय की ओर से जारी वीडियो संदेश उन्होंने कहा, मैं करूर नहीं गया क्योंकि वहां मेरी मौजूदगी से 'असामान्य स्थिति' पैदा हो सकती है।। मैं जल्द ही आपसे मिलूंगा। मैंने अपने जीवन में कभी ऐसी 'दर्दनाक स्थिति' का सामना नहीं किया है। भगदड़ का सच जल्द ही सामने आएगा। जो नहीं होना चाहिए था वो हो गया। उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को चुनौती दी कि वे उनके साथ कुछ भी करें, लेकिन अपनी पार्टी के सहयोगियों के साथ ऐसा न करें।

सच जल्द ही सामने आएगा- टीवीके प्रमुख विजय

विजय ने कहा कि इस घातक घटना का सच जल्द ही सामने आएगा और उन्होंने संकेत दिया कि वह कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार हैं। इस मामले में सत्तारूढ़ डीएमके को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा, सीएम साहब, अगर आपके मन में बदला लेने का विचार है, तो आप मेरे साथ कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन पार्टी के लोगों को हाथ भी नहीं लगाएंगे। उन्होंने दावा किया कि घटना वाले दिन, लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, वह करूर से जल्दी से निकल गए थे।

# अदालत ने आदिवासी व्यक्ति के साथ दुर्व्यवहार के आरोपी व्यवसायी को बरी किया

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

ठाणे जिले की एक अदालत ने अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों में पर्याप्त समन्वय के अभाव का हवाला देते हुए, 2018 में एक आदिवासी व्यक्ति के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोपी एक व्यवसायी को बरी कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए एस भागवत ने 26 सितंबर के अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष अपने मामले को उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। आदेश की एक प्रति मंगलवार को उपलब्ध कराई गई। महाराष्ट्र के ठाणे शहर के व्यवसायी जयेश रमेश भोईर (39) पर 28 जनवरी 2018 को यहां भूमि स्वामित्व को लेकर हुए विवाद के दौरान वारली आदिवासी समुदाय के सदस्य राजू बुधिया तुम्बाडा को गाली देने और धमकी देने का आरोप लगाया गया था। इस मामले में शिकायतकर्ता तुम्बाडा ने आरोप लगाया कि भोईर ने एक मजदूर की मदद से सीमेंट के खंभे लगाकर उनकी कृषि भूमि पर अतिक्रमण करने का प्रयास किया। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों के

तहत कासरवडवाली पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, जब शिकायतकर्ता और उसकी पत्नी ने विरोध किया तो भोईर ने कथित तौर पर जातिसूचक शब्द कहे। अभियोजन पक्ष ने शिकायतकर्ता, उसकी पत्नी, दो पंचों, प्रत्यक्षदर्शियों और जांच अधिकारियों सहित नौ गवाहों से पूछताछ की। जाति प्रमाणपत्र, दीवानी वाद और पंचनामा जैसे कई दस्तावेजी साक्ष्य भी अभिलेख में प्रस्तुत किए गए। न्यायाधीश भागवत ने साक्ष्यों की समीक्षा के बाद अभियोजन पक्ष के मामले में कई कमियों और विरोधाभासों की ओर इशारा किया।

अदालत ने कहा, "अभियोजन पक्ष के गवाह ने कथित घटना के दो दिन बाद शिकायत दर्ज कराई थी। दो दिन की देरी का कारण प्राथमिकी या किसी अन्य दस्तावेज़ में नहीं बताया गया है। इसलिए, स्थापित कानूनी स्थिति के अनुसार, प्राथमिकी को संदिग्ध दृष्टि से देखा जाना चाहिए।"

साथ ही अदालत ने कहा "अभियोजन पक्ष के गवाह ने घटना की तारीख से पहले से ही भूमि विवाद को लेकर अभियुक्तों के साथ शत्रुतापूर्ण संबंधों की बात स्वीकार की है। गवाह ने यह भी स्वीकार किया है कि उक्त भूमि विवाद को लेकर दीवानी अदालत में कई मुकदमे लंबित हैं। इसलिए, गवाह द्वारा अभियुक्तों को झूठे आरोप में फंसाने की स्पष्ट संभावना है।"

अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष के गवाह के साक्ष्य की कोई ठोस पुष्टि नहीं हुई है। अदालत ने कहा कि स्वतंत्र चश्मदीद गवाहों ने अभियोजन पक्ष के मामले का बिल्कुल भी समर्थन नहीं किया है और अपने बयानों से पलट गए हैं। अदालत ने आरोपी को बरी करते हुए कहा कि मामले की जांच "त्रुटिपूर्ण है और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है।

# 1 करोड़ रुपये मूल्य की 427 ग्राम एमडी जब्त - दो आरोपी गिरफ्तार

**डीसीपी नवनाथ ढ़वले के नेतृत्व में एंटी नारकोटिक्स सेल कांदिवली की बड़ी कार्रवाई**

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई। पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल (क्राइम ब्रांच) ने 1 करोड़ 6 लाख रुपये की भारी मात्रा में एमडी जब्त की है और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गोरेगांव में कांदिवली एंटी नारकोटिक्स सेल द्वारा की गई। इस मामले में पुलिस ने एन.डी.पी.एस. एक्ट 1985 की धारा 8 (ए) के साथ 22 (ए), 29 के तहत मामला दर्ज किया है।

मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती के आदेश पर, मुंबई और मुंबई उपनगरों में मादक पदार्थों की तस्करी और खरीद-बिक्री में शामिल पेडलर का पता लगाने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए एंटी नारकोटिक्स सेल, क्राइम ब्रांच, पुलिस द्वारा एक विशेष अभियान चलाया गया है। तदनुसार, मुंबई शहर में एंटी नारकोटिक्स सेल की कांदिवली यूनिट ने प्रभावी कार्रवाई की है और गोरेगांव पश्चिम क्षेत्र में गश्त के दौरान इन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त देवेन भारती सह पुलिस आयुक्त लखमी गौतम,अपर पुलिस आयुक्त शैलेश बलकवडे, उप आयुक्त नवनाथ ढ़वले, सहायक पुलिस आयुक्त सुधीर हिरडेकर, के मार्गदर्शन वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शशिकांत जगदाले के देखरेख में एंटी नारकोटिक्स सेल कांदिवली यूनिट टीम ने किया है।

# चूनाभट्टी पुलिस ने 30 लाख रुपये के मोबाइल फोन जब्त किए

**8 आरोपियों का अंतरराष्ट्रीय गिरोह गिरफ्तार**

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई। चूनाभट्टी पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय मोबाइल चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, और यह गिरोह विभिन्न स्थानों से महंगे मोबाइल फोन चुरा रहा था। उनके पास से 183 महंगे मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। पिछले महीने 30 अगस्त को, शिकायतकर्ता ने चूनाभट्टी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया था कि उसका 35,000 रुपये का आईफोन एक बस स्टॉप से चोरी हो गया था।

तदनुसार, पुलिस ने एक खोज अभियान चलाया। इस अपराध की जाँच के लिए परिमंडल 6 के पुलिस उपायुक्त समीर शेख के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम नियुक्त की गई थी। इस टीम ने दर्ज अपराधों की जांच कर, कुशलतापूर्वक तकनीकी सहायता और गुप्त मुखबिरों का उपयोग करके और जानकारी लेकर सबसे पहले मुंबई और नवी मुंबई क्षेत्र से सचिन लक्ष्मण गायकवाड़, तौसीफ आयूब सिद्दीकी, अमर गौरीलाल शंकर, निसार असिक हुसैन आलम, सादिक अली मैनुद्दीन शेख, मुर्शीद मंसूर सिद्दीकी और कोलकाता से प्रदीप विश्वनाथ गुप्ता, अहीझर अनिसुर रहमान नामक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 30 लाख 48 हजार रुपये मूल्य के विभिन्न कंपनियों के 183 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

इसी बीच, इस अपराध में 6 और आरोपियों की पहचान की गई है, जिनमें कुछ बांग्लादेशी आरोपी भी शामिल हैं। उनकी भी तलाश की जा रही है। चूनाभट्टी पुलिस ने जानकारी दी है कि उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस बीच, इन सभी अपराधों की आगे की जांच अधिकारी राजकुमार पोवार द्वारा की जा रही है। चूनाभट्टी पुलिस स्टेशन की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक निशा जाधव के मार्गदर्शन में अधिकारी स्वप्निल डमरे, अमलदार कोलशे, शेट्ये, वडते और परिमंडल 6 के विशेष दस्ते के अधिकारी मैत्रानंद खंदारे, अजय गोलहर, अनमलदार दशरथ राणे, केदार, राउत, सानप ने यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की और मोबाइल फोन चोरी करने और बेचने में शामिल एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह को गिरफ्तार किया है।

# स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए नवी मुंबई में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

17 सितंबर से शुरू हुए 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत जनभागीदारी के माध्यम से विभिन्न गतिविधियाँ चलाई जा रही हैं, साथ ही कचरे के पृथक्करण और उसके निपटान के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा की जा रही है। इसमें नुक्कड़ नाटक जैसी एक बेहद लोकप्रिय कला के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता पैदा की जा रही है। यह अभिनव पहल नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में क्रियान्वित की जा रही है और इसमें घर से निकलने वाले कचरे को तीन प्रकारों - गीला, सूखा और घरेलू हानिकारक - में अलग करने के विचार को एक अभिनव नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया जा रहा है। इसके लिए, लोकप्रिय फिल्म 'बाहुबली' के दो पात्रों कटप्पा और अमरेंद्र बाहुबली

के माध्यम से नवी मुंबई में स्वच्छता के महत्व को उजागर किया गया है। इस नुक्कड़ नाटक में बताया गया है कि नवी मुंबई ने कचरा मुक्त शहर की 'सेवन स्टार' रेटिंग हासिल की है और लगातार देश में शीर्ष तीन में रहा है, जिससे यह विशेष 'सुपर स्वच्छ लीग' श्रेणी में एक सुपर क्लीन शहर बन गया है। इसी तरह, नवी मुंबई में गाँव से अपने बेटे के पास आई दादी को घर में कचरे के लिए दो अलग-अलग डिब्बे रखने और स्वच्छता के नियमों की जानकारी मुस्कुराते हुए दी जाती है। इसी तरह, प्लास्टिक की थैलियों का इस्तेमाल बंद करने और कपड़े के थैलों के इस्तेमाल को प्राथमिकता देने का संदेश नाटक के माध्यम से दिया जाता है। नुक्कड़ नाटक का समापन दर्शकों द्वारा उपस्थित नागरिकों के साथ स्वच्छता की शपथ लेने के साथ होता है, जिससे यह संदेश मिलता है कि स्वच्छ शहर का खिताब प्राप्त नवी मुंबई शहर के एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में शहर की स्वच्छता में योगदान देना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत, प्रतिदिन शाम को विभिन्न स्थानों जैसे स्टेशन, मॉल, बाज़ार और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर 4 से 5 नुक्कड़ नाटक किए जा रहे हैं। आरंभ एंटरटेनमेंट के कलाकार प्रभावी प्रदर्शन करके नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से हर जगह स्वच्छता का संदेश फैला रहे हैं। चूँकि नुक्कड़ नाटक भीड़-भाड़ वाली जगहों पर खेले जा रहे हैं, इसलिए इस पहल को नागरिकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

# राजभाषा विभाग, मुंबई मंडल द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 'राजभाषा पखवाड़ा' का आयोजन

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

राजभाषा विभाग, मुंबई मंडल द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 15/09/2025 से 26/09/2025 तक आयोजित होने वाले 'राजभाषा पखवाड़ा' समारोह का उदघाटन मंडल रेल प्रबंधक, श्री हिरेश मीना द्वारा हिंदी दिवस संदेश वाचन से किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक जी ने हिंदी का प्रयोग-प्रसार बढ़ाने के लिए सरल और सहज हिंदी का प्रयोग करने हेतु जोर दिया। उन्होंने 'राजभाषा पखवाड़ा' के दौरान मंडल कार्यालय में आयोजित होने वाली विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं जैसेः-

हिंदी निबंध प्रतियोगिता
वाक् प्रतियोगिता
टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता
हिंदी समाचार पत्र वाचन प्रतियोगिता,
हिंदी सुलेखन प्रतियोगिता
पुस्तक समीक्षा लेखन प्रतियोगिताओं की जानकारी दी।

इसके साथ ही मुंबई मंडल की रा.भा.का.समिति सानपाडा कारशेड ने निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा हिंदी पहेली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुर्ला कारशेड में 'चित्र बोलते है' प्रतियोगिता, कविता लेखन प्रतियोगिता एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। छ.शि.म.ट. मुंबई स्टेशन पर हिंदी निबंध प्रतियोगिता, हिंदी सुलेखन प्रतियोगिता, पुस्तक समीक्षा लेखन प्रतियोगिता, स्वरचित कविता वाचन प्रतियोगिता और हिंदी स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। कल्याण रेलवे स्कूल, में भी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। मुंबई मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा/प्रशासन) एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री तरुण कुमार ने आदरणीय महाप्रबंधक का हिंदी दिवस संदेश का वाचन किया।

दिनांक 25/09/2025 को मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में मुंबई, मंडल रा.भा.का. समिति की 192वीं तिमाही बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन एवं संरक्षा), सभी शाखा अधिकारी और रा.भा.का. समितियों के अध्यक्षों ने भाग लिया था तथा 'राजभाषा पखवाड़ा' में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विजेता अधिकारी/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुंबई मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति के कार्यक्रम और तिमाही बैठक का संचालन मंडल कार्मिक अधिकारी-I एवं संपर्क वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, विपिन कुमार सिंह ने किया।

**पश्चिम रेलवे**
**निर्माण कार्य**

वरिष्ठ डीईएन (दक्षिण)/एमएमसीटी, मुंबई सेंट्रल, ई-निविदा सूचना संख्या : BCT/25-26/239, दिनांक 26.09.2025 आमंत्रित करते हैं। **कार्य एवं स्थान : चर्चगेट खंड** - एडीईएन (टी/एस) लोअर परेल और एडीईएन (टी/एन) बोरीवली खंड के अंतर्गत सन् 2025-26 के दौरान स्वीकृत ट्रैक कार्यों के संबंध में नये आर.सी.सी. विरार नालों का निर्माण तथा विद्यमान नालों की मरम्मत। **कार्य की अनुमानित लागत :** 6,72,57,397.71। **ईएमडी :** 4,86,300/-। **प्रस्तुति की अंतिम तिथि एवं समय :** 24.10.2025, दोपहर 15:00 बजे तक। **खोलने की तिथि एवं समय :** 24.10.2025 को, दोपहर 15:30 बजे। अधिक जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। मैनुअल ऑफ़र पर विचार नहीं किया जाएगा। 0648

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

**पश्चिम रेलवे**
**विश्रामगृह बदरवारपार्क**

डिवीजनल रेलवे मैनेजर (WA), पश्चिम रेलवे, 6वीं मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008 ई-निविदा सूचना संख्याः BCT/25-26/240, दिनांक 29.09.2025 के अंतर्गत निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। कार्य एवं स्थानः कोलाबा एवं चर्चगेट - बदरवारपार्क, एस्ट विला, इम्पीरियल मैन्शन तथा चर्चगेट स्थित अधिकारियों के विश्रामगृह का सुधार एवं साज-सज्जा। **अनुमानित कार्य लागतः** 2,91,31,687.18 **ईएमडीः** 2,95,700/- **प्रस्तुति की अंतिम तिथि एवं समयः** 24.10.2025, दोपहर 15:00 बजे तक। **खोलने की तिथि एवं समयः** 24.10.2025 को दोपहर 15:30 बजे। अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइट देखेंः www.ireps.gov.in मैनुअल ऑफ़र पर विचार नहीं किया जाएगा। 0667

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

# वरिष्ठ नागरिकों के लिए विभिन्न प्रतिभा प्रतियोगिताएँ उत्साहपूर्वक संपन्न

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम के सामाजिक विकास विभाग द्वारा हर वर्ष वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए विभिन्न प्रतिभा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी ये प्रतियोगिताएँ 26 सितंबर से आयोजित की गईं और वरिष्ठ नागरिकों ने बड़े उत्साह से भाग लेकर इन प्रतियोगिताओं को सफल बनाया।

इसमें गायन प्रतियोगिता में 68, कविता पाठ प्रतियोगिता में 23, कहानी सुनाना प्रतियोगिता में 20, हास्य प्रतियोगिता में 11, वेशभूषा प्रतियोगिता में 12, नृत्य प्रतियोगिता में 08, टेलीफोन प्रतियोगिता में 13, समूह नाटक प्रतियोगिता में 01, एकालाप प्रतियोगिता में 10, निबंध प्रतियोगिता में 16, पत्र लेखन प्रतियोगिता में 11, साथ ही ब्रीज़ गेम्स प्रतियोगिता में 22, कैरम

प्रतियोगिता में 134 और शतरंज प्रतियोगिता में 31 वरिष्ठ नागरिकों ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

नवी मुंबई नगर निगम बुजुर्गों के प्रति अपने स्नेह के लिए जाना जाता है और नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में बुजुर्गों को विभिन्न सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। इसी प्रकार, विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर बुजुर्गों को उनके अंतर्निहित गुणों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रतिभा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

इस प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह 01 अक्टूबर 2025 को विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर विष्णुदास भावे नाट्यगृह वाशी में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में होगा। 01 अक्टूबर 2024 से 30 सितंबर 2025 तक, 75 वर्ष की आयु पूरी कर चुके वरिष्ठ नागरिकों और विवाह के 50 वर्ष पूरे कर चुके वरिष्ठ नागरिक दम्पतियों को सम्मानित किया जाएगा। हालांकि, नवी मुंबई नगर निगम, नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों और उनके परिवारों से विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील कर रहा है।

**महाराष्ट्र शासन**
**कार्यकारी अभियंता,**
**एकात्मिकृत घटक (सा.बां.) विभाग, यांचेकार्यालय**
**Email:- integratedmumbai.ee@mahapwd.com**
**दुरध्वनी क्र. २२०१६९७४ फॅक्स क्र. २२०१६९७६**

**ई-निविदा सुचना क्र.१९ सन २०२५-२६**

कार्यकारी अभियंता, एकात्मिकृत घटक (सा.बां.) विभाग, फोर्ट, मुंबई-०१ (दुरध्वनी क्र. ०२२-२२०१६९७४-७६) महाराष्ट्र शासनाच्या सार्वजनिक बांधकामखात्याकडून योग्यत्या वर्गातील नोंदणीकृत मजूर सहकारी संस्थांकडून (फक्त बृहन्मुंबई शहर) खालील कामांकरीत 'ब-१' नमुन्यातील निविदा ई-निविदा प्रणालीव्दारे (ऑनलाईन) निविदा मार्गावत आहोत. निविदा कागदत्र शासनाच्या संकेतस्थळावर http://mahatenders.gov.in येथून डाऊनलोड करण्यांत यावी. तसेच निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकरण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, एकात्मिकृत घटक (सा.बां.) विभाग, फोर्ट, मुंबई, यांनी राखून ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्विकारली जाणार नाही.

| अ.क्र. | कामाचे नाव | अंदाजित रक्कम रुपये |
|---|---|---|
| १. | मुंबईतील जी.टी. हॉस्पिटलमधील कॉम्प्लेक्स इमारतीची वार्षिक देखभाल दुरुस्ती करणे. दरवाजे आणि खिडक्यांच्या फिक्स्चर आणि फिक्स्चरची दुरुस्ती, सुतारकाम साहित्य पुरविणे. | ३२६४१६७/- |
| २. | मुंबईतील जी.टी. हॉस्पिटलमधील उंच इमारतीची वार्षिक देखभाल दुरुस्ती करणे. दरवाजे आणि खिडक्यांच्या फिक्स्चर आणि फिक्स्चरची दुरुस्ती, साहित्य, प्लास्टर, रंगकाम इत्यादी काम करणे. | १५६४६६१/- |
| ३. | मुंबईतील जी.टी. हॉस्पिटलमधील ओपीडी इमारतीची वार्षिक देखभाल दुरुस्ती करणे. दरवाजे आणि खिडक्या / सुतारकाम साहित्याची दुरुस्ती आणि फिक्स्चरची दुरुस्ती करणे. | १६०७६००/- |

(एकूण ०३ कामे)

ई-निविदाउपलब्धकालावधी : दि. ३०/०९/२०२५ सकाळी १०.३० पासून ते दि. ०७/१०/२०२५ रोजी १५.०० पर्यंत

ई-निविदा उघडणे (शक्य झाल्यास) : दि. १०/१०/२०२५ रोजी १५.०५ वाजता

खालील संकेतस्थळावरुन ई-निविदाची सर्व माहिती उपलब्ध आहे. १. http://mahapwd.com २.http://mahatenders.gov.in

३. कार्यकारी अभियंता, एकात्मिकृतघटक (सा.बां.) विभाग, फोर्ट, मंबई कार्यालयातील सूचना फलक.

जा.क्र.एघ (सा.बां.)/निविदा/४९०७
कार्यकारी अभियंता यांचे कार्यालय,
एकात्मिकृत घटक (सा.बां.) विभाग, बांधकाम भवन,
२ रा मजला, २५ मर्झबान पथ, फोर्ट, मुंबई-४०० ००१.
दूरध्वनीक्र. ०२२-२२०१६९७४/७६
दिनांक: २६/०९/२०२५

**DGIPR/2025-26/2834**

कार्यकारी अभियंता,
एकात्मिकृत घटक (सा.बां.) विभाग,
मुंबई-४०० ००१.

# इस वर्ष का पेराई सत्र 1 नवंबर से शुरू होगा- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

## मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 10 रुपये प्रति टन और बाढ़ राहत के लिए 5 रुपये की कटौती का निर्णय

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश के कारण फसलों को नुकसान हुआ है। कुछ इलाकों में अभी भी बाढ़ की स्थिति बनी हुई है, जिसके कारण राज्य में 2025-26 का गन्ना पेराई सत्र 1 नवंबर, 2025 से शुरू करने का निर्णय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में लिया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 10 रुपये प्रति टन की कटौती और
बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए कीमत में 5 रुपये प्रति टन की कमी करने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में 2024-25 गन्ना पेराई सत्र की समीक्षा और 2025-26 में नए पेराई सत्र के लिए नीति तय करने हेतु मंत्रियों की समिति की बैठक हुई। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, जल संसाधन मंत्री (विदर्भ, तापी और कोंकण विकास निगम) मंत्री गिरीश महाजन, जल संसाधन (गोदावरी और कृष्णा बेसिन विकास निगम) मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, सहकारिता मंत्री बाबासाहेब पाटिल, कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे, सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट, सहकारिता विभाग के प्रधान सचिव प्रवीण दराडे, सहकारिता आयुक्त दीपक टावरे और चीनी संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने कहा कि इस वर्ष 10.25 प्रतिशत मूल अंश को ध्यान में रखते हुए, पेराई किए जाने वाले गन्ने के लिए 3,550 रुपये प्रति मीट्रिक टन की उचित लाभ दर (एफआरपी) दी जाएगी। पिछले सीज़न में लगभग 200 चीनी मिलों ने पेराई शुरू की, जिनमें 99 सहकारी समितियाँ और 101 निजी मिलें शामिल थीं। किसानों को 31,301 करोड़ रुपये का एफआरपी भुगतान किया गया है।

राज्य ने 99.06 प्रतिशत एफआरपी का भुगतान किया है। इसमें से 100 प्रतिशत एफआरपी का भुगतान करने वाली मिलों की संख्या 148 है। सह-उत्पादन परियोजना में, 2024-25 में मिलों द्वारा निर्यात की गई बिजली 298 करोड़ यूनिट है और मिलों को बिजली निर्यात से प्राप्त आय 1979 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने यह भी बताया कि मिलों ने इथेनॉल की बिक्री से 6,378 करोड़ रुपये कमाए हैं। बैठक में गन्ना कटाई के लिए मशीनीकरण और बिजली के सह-उत्पादन के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर, सहकारिता आयुक्त दीपक टावरे ने एक प्रस्तुति दी। बैठक से पहले, केंद्र सरकार द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर राज्य में सहकारी क्षेत्र की प्रगति को दर्शाने वाला एक वीडियो प्रस्तुत किया गया।

# महापारेषण को नई दिल्ली में पॉवर ट्रान्समिशन पुरस्कार प्रदान

## अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार ने बधाई दी

मुंबईः महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी (महापारेषण) को इस वर्ष डन एंड ब्रैडस्ट्रीट, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया जानेवाला पॉवर ट्रान्समिशन (स्टेट पीएसयू) पुरस्कार प्राप्त हुआ है। महापारेषण के मुख्य अभियंता किशोर गरुड़ और जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मिलिंद आवताड़े ने केंद्रीय वित्त विभाग के सह सचिव नवीन अग्रवाल के हाथों यह पुरस्कार ग्रहण किया। महापारेषण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार (भा.प्र.से.) ने इस पुरस्कार के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी।

यह पुरस्कार नई दिल्ली के होटल ताज मानसिंह में आयोजित 17 वें पीएसयू एवं शासन परिषद में प्रदान किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास विभाग के सह सचिव कुणाल सत्यार्थी उपस्थित थे।

महापारेषण देश की सबसे बड़ी पारेषण कंपनी है। अल्ट्रा-हाई वोल्टेज चैनलों का जाल हर जगह फैला हुआ है। महापारेषण ने महाराष्ट्र राज्य की 30 हज़ार मेगावाट से अधिक बिजली की मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया है। महापारेषण ने नई तकनीक अपनाकर बिजली क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छुआ है। विशेषकर सुदूर पहाड़ी इलाकों में ड्रोन की मदद से काम किया जा रहा है। उच्च प्रदर्शन वाले कंडक्टर भी लगाए गए हैं। ग्रिड स्थिरता बनाए रखने के लिए धुले और लोणीकंद (पुणे) में स्टेटकॉम परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। महापारेषण ने टी.बी.सी.बी.के माध्यम से परियोजनाओं में खुली भागीदारी रखी है।

प्रौद्योगिकी के कारण महापारेषण की प्रगतिः डॉ. संजीव कुमार

मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री देवेंद्र फडणवीस और ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीमती मेघना साकोरे-बोर्डिकर के नेतृत्व में तथा अपर मुख्य सचिव (ऊर्जा) श्रीमती आभा शुक्ला के मार्गदर्शन में महापारेषण में विभिन्न परियोजनाएं और कार्य बेहतर ढंग से और तेज़ गति से किए जा रहे हैं। महापारेषण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार (भा.प्र.से.) ने कहा, नई तकनीक ने महापारेषण के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यक्षमता में वृद्धि की है। भविष्य में भी अधिकारी-कर्मचारी अभिनव कार्य कर महापारेषण का नाम अवश्य ऊंचा करेंगे।

# सोलापुर, परभणी, नांदेड़ और गढ़चिरौली जिलों में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए टीमें तैनात

## राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की जानकारी

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग और राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र से प्राप्त वर्षा अनुमानों के अनुसार, बांध से पानी छोड़े जाने, नदियों के जलस्तर और बाढ़ की स्थिति पर निरंतर नज़र रख रहा है। बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नदियों के जलस्तर में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, सोलापुर, परभणी, नांदेड़ और गढ़चिरौली जिलों में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए आवश्यक टीमें तैनात की गई हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने यह भी बताया है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखते हुए सभी जिलों को आगामी मौसम पूर्वानुमान की जानकारी प्रदान की जा रही है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने छत्रपति संभाजीनगर, अहिल्यानगर, जालना, बीड और परभणी जिलों में बांधों से पानी छोड़े जाने और नदी के जलस्तर के संबंध में जल संसाधन विभाग और गोदावरी सिंचाई विकास निगम के साथ समन्वय स्थापित किया है और बचाव दल भेजकर उन्हें पहले से तैनात कर रहा है तथा हवाई सहायता प्रदान कर रहा है।

सोलापुर जिले में, सिना नदी वडकबल में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसके अलावा, उजनी और वीर बांधों से अत्यधिक पानी छोड़े जाने के कारण, भीमा नदी टाकली में चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही है, जिसके कारण पंढरपुर में स्थानीय टीमों को तैनात किया गया है।

परभणी जिले के ढालेगांव में गोदावरी नदी के खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण सेना की एक टीम तैनात की गई है।

नांदेड़ जिले के नांदेड़ पुराने पुल पर गोदावरी नदी के चेतावनी स्तर से ऊपर बहने के कारण राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और स्थानीय खोज एवं बचाव दल की एक टीम मौके पर तैनात की गई है।

गढ़चिरौली जिले के भामरागढ़ और सिरोंचा तालुका में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की एक टीम तैनात की गई है क्योंकि लक्ष्मी बैराज (मेदिगड्डा) में गोदावरी नदी चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही है। गढ़चिरौली जिले के सिरोंचा तालुका में गोदावरी नदी बेसिन में छोड़े गए वर्षा जल के कारण ऐसा हुआ है। स्थानीय टीमों को भी खोज और बचाव कार्यों के लिए तैनात किया गया है।

पिछले 24 घंटों में, पालघर जिले में सबसे अधिक 21 मिमी, मुंबई शहर में 17 मिमी, रत्नागिरी में 16 मिमी, सिंधुदुर्ग में 12 मिमी और रायगढ़ जिले में 12 मिमी बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में, नासिक, छत्रपति संभाजीनगर, लातूर और पालघर जिलों में बाढ़ और दीवार गिरने से एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई, और नासिक और पालघर जिलों में एक-एक व्यक्ति घायल हो गया। इसके अलावा, धुले जिले में दो, नांदेड़ जिले में सात, छत्रपति संभाजीनगर जिले में छह और लातूर जिले में चार जानवरों की बिजली गिरने और बाढ़ के कारण मौत हो गई। इसके अलावा, सतारा जिले के कोयनानगर क्षेत्र में 30 सितंबर, 2025 को दोपहर 12:09 बजे 3.4 रिक्टर पैमाने का भूकंप दर्ज किया गया, ऐसा राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने जानकारी दी है।

# वैक्सीन उत्पादन के लिए हाफकिन को 25 करोड़ रुपये- उपमुख्यमंत्री अजीत पवार

## हॉपकिंस के सशक्तिकरण हेतु सिफारिशों को लागू करने हेतु त्रि-सदस्यीय समिति

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई। हाफकिन संस्थान ने वैक्सीन उत्पादन के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान दिया है और देश से पोलियो उन्मूलन में हाफकिन की प्रमुख भूमिका रही है। भारत सरकार से 26.8 करोड़ ओरल पोलियो वैक्सीन की मांग की गई है। इन टीकों के उत्पादन हेतु, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में हाफकिन बायोफार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन को हाफकिन खरीद विभाग के दो प्रतिशत उपकर से 25 करोड़ रुपये की निधि प्रदान करने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई।

हाफकिन संस्थान और हाफकिन बायोफार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन को सशक्त बनाने हेतु डॉ. रघुनाथ माशेलकर की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त की गई थी। इस समिति की रिपोर्ट सरकार को सौंप दी गई है। इस समिति की सिफारिशों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए एक समिति का गठन किया जाना चाहिए। इसमें चिकित्सा शिक्षा, जन स्वास्थ्य और योजना विभागों के सचिवों को शामिल किया जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने यह भी निर्देश दिया कि यह समिति हाफकिन के सशक्तिकरण के लिए 5 वर्षीय रोडमैप तैयार करे।




वर्तमान में, हैपकिन के पास सर्पदंश के 1.5 लाख टीके तैयार हैं। हैपकिन द्वारा तैयार सर्पदंश का टीका प्रभावी और कुशल है। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने यह भी निर्देश दिया कि महाराष्ट्र चिकित्सा सामान खरीद प्राधिकरण इन टीकों की खरीद हैपकिन के माध्यम से करे।

हाफकिन बायोफार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन और संगठन के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और अधिकारियों की पेंशन के मुद्दों पर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की अध्यक्षता में मंत्रालय के समिति कक्ष में एक बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ, खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि जिरवाल, स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर, विधान परिषद सदस्य सचिन अहीर, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव ओ.पी. गुप्ता, योजना विभाग के प्रमुख सचिव सौरभ विजय, चिकित्सा शिक्षा एवं औषधि विभाग के सचिव धीरज कुमार, उपमुख्यमंत्री के सचिव डॉ. राजेश देशमुख, हॉपकिंस के प्रबंध निदेशक सुनील महेंद्राकर, विधि एवं न्याय विभाग के संयुक्त सचिव अश्विनी सैनी, चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव रामचंद्र धनावड़े उपस्थित थे।

# नवी मुंबई नगर निगम 3 से 9 अक्टूबर तक शास्त्रीय मराठी भाषा का प्रचार-प्रसार करेगा

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

पिछले वर्ष 3 अक्टूबर 2024 को मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा घोषित किया गया और मराठी भाषा का गौरव और बढ़ा। इस संबंध में, महाराष्ट्र सरकार के मराठी भाषा विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, 3 अक्टूबर को पूरे राज्य में 'शास्त्रीय मराठी भाषा दिवस' और 3 से 9 अक्टूबर 2025 तक 'शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह' मनाया जा रहा है।

इस संबंध में, नवी मुंबई नगर निगम द्वारा नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में शास्त्रीय मराठी भाषा के गौरव को बढ़ाने और मराठी भाषा के शास्त्रीय स्वरूप से परिचित कराने के लिए विभिन्न स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

इसमें शुक्रवार, 3 अक्टूबर 2025 को अभिजात मराठी भाषा दिवस के अवसर पर साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सरकारी सदस्य और सुप्रसिद्ध लेखक एवं व्याख्याता डॉ. प्रो. नरेंद्र पाठक का 'अभिजात मराठी - अभिमान मराठी' विषय पर व्याख्यान मनपा मुख्यालय की तीसरी मंजिल स्थित ज्ञान केंद्र में सुबह 11 बजे होगा।

इसी प्रकार, भाषा में शुद्ध लेखन के महत्व को ध्यान में रखते हुए, साहित्यकार और ग़ज़लकार श्री जनार्दन म्हात्रे 7 अक्टूबर (मंगलवार) को सुबह 11 बजे 'क्लासिक मराठी शुद्ध लेखन' विषय पर एक प्रस्तुति के माध्यम से संवाद करेंगे।

कई लोग शास्त्रीय मराठी भाषा और साहित्य के प्रति प्रेम रखते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, 8 अक्टूबर (बुधवार) को सुबह 11 बजे मराठी भाषा और साहित्य पर एक अभिनव पहल 'प्रश्न बॉक्स प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया है। इसमें एनएमयू के अधिकारी, कर्मचारी और साहित्य-प्रेमी नागरिक भाग ले सकते हैं। इस पहल के तहत, उपस्थित लोगों से मराठी भाषा और साहित्य पर प्रश्न पूछे जाएँगे और सही उत्तर देने वाले श्रोताओं को उसी समय एक पुस्तक के रूप में पुरस्कार दिया जाएगा।

ऐसी ही एक और अभिनव पहल, 'कविता पाठ प्रतियोगिता', 9 अक्टूबर (गुरुवार) को सुबह 11 बजे आयोजित की गई है, जिसमें आपको अपनी पसंद की, अपनी नहीं, बल्कि शास्त्रीय मराठी भाषा के किसी प्रसिद्ध कवि की कविता, अधिकतम पाँच मिनट में प्रस्तुत करनी होगी। इस कविता पाठ प्रतियोगिता के पीछे की अवधारणा यह है कि शास्त्रीय मराठी कविता की समृद्ध परंपरा को प्रस्तुत किया जाएगा और इसके माध्यम से मराठी भाषा के वैभव और विविध शब्द लालित्य का प्रसार किया जाएगा।

इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए, 6 अक्टूबर, 2025 तक 9920378574 या 9930020814 पर कॉल करके पंजीकरण कराना आवश्यक होगा। ध्यान रहे कि प्रतियोगिता में प्रवेश तत्काल नहीं दिया जाएगा।

मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे की संकल्पना के अनुसार, नवी मुंबई मनपा की गतिविधियों में व्यापक जनभागीदारी हो, मनपा अधिकारी, कर्मचारी और शिक्षकों के साथ-साथ मराठी भाषाप्रेमी नागरिक भी शास्त्रीय मराठी भाषा को गौरवान्वित करने वाली इन अभिनव गतिविधियों में भाग लें। मराठी भाषाप्रेमी नागरिकों से अपील की जा रही है कि इसके अंतर्गत निःशुल्क प्रवेश हेतु 'प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' और 'कविता वाचन प्रतियोगिता' का आयोजन किया जाए।

# गोली मारकर हत्या का प्रयास - आरोपी दिल्ली गिरफ्तार

मुंबई - मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने करार इलाके में रिवॉल्वर से गोली मारकर हत्या की कोशिश करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसका नाम निहाज उर्फ गुड्डू शेख है और उसके द्वारा अपराध में इस्तेमाल किए गए हथियार को पुलिस ने जब्त कर लिया है और उसे दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। 28 सितंबर की सुबह, शिकायतकर्ता अबू तल्हा अव्वल बेग को आरोपी निहाज उर्फ गुड्डू शेख ने संजय नगर, मलाड पूर्व में रिवॉल्वर से गोली मारकर हत्या करने की कोशिश की थी। इस संबंध में कुरार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। उसके बाद, क्राइम ब्रांच की टीम ने उक्त अपराध की समानांतर जांच की और तकनीकी और गोपनीय जानकारी के आधार पर, आरोपी निहाज उर्फ गुड्डू शेख को अपराध में उसके द्वारा इस्तेमाल की गई बन्दूक और दो कारतूस के साथ नई दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। अब उसे आगे की कार्रवाई के लिए कुरार पुलिस को सौंप दिया गया है।

# बाढ़ प्रभावित किसानों को सूखे के मानदंडों के अनुसार सहायता प्रदान की जाएगी- कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे

मुंबई। राज्य के 33 जिले मई, जून, जुलाई से सितंबर तक भारी बारिश से प्रभावित रहे हैं। अब तक भारी बारिश से प्रभावित किसानों को 2250 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की जा चुकी है। सितंबर माह में कृषि क्षति का पंचनामा करने का कार्य चल रहा है। सूखा प्रभावित किसानों को दी जाने वाली सभी रियायतें लागू की जाएँगी। कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने मंत्रालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 6 करोड़ 17 लाख 50 हजार रुपये का दैनिक वेतन दान करने का निर्णय लिया है। कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने बताया कि मंत्रिमंडल की बैठक में बाढ़ प्रभावित और सूखा प्रभावित किसानों को दी जाने वाली राहत के क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। अगस्त और सितंबर महीने में कुल 1 करोड़ लाख एकड़ जमीन प्रभावित हुई है। सरकार ने किसानों को 2250 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की है। सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि किसान इस संकट से उबर सकें। मंत्रिमंडल के सदस्यों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने और किसानों की स्थिति को समझने के बाद संवेदनशीलता के साथ तत्काल सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। हम जिला कलेक्टर के माध्यम से बाढ़ प्रभावित किसानों को 5,000 से 10,000 रुपये का अनुग्रह अनुदान और पशुओं के लिए चारा उपलब्ध करा रहे हैं। दस किलो चावल, गेहूं और तीन किलो दाल उपलब्ध कराई गई है। सरकार प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए किसानों के साथ खड़ी है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को राज्य में बाढ़ की स्थिति से अवगत कराया है।

# महाराष्ट्र-ऑस्ट्रेलिया कौशल केंद्र की स्थापना से शिक्षा-उद्योग सहयोग को मिलेगी नई दिशा- उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल

मुंबई। राज्य के औद्योगिक एवं शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को ऑस्ट्रेलियाई कौशल से जोड़कर परिवर्तनकारी शिक्षा, अनुसंधान एवं उद्योग सहयोग हेतु महाराष्ट्र-ऑस्ट्रेलिया नवाचार एवं कौशल केंद्र की स्थापना की जाएगी। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल ने कहा कि इस केंद्र के माध्यम से ऊर्जा, पर्यावरण और स्वास्थ्य क्षेत्रों में अनुसंधान, नवाचार एवं कौशल विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। आज मंत्रालय में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल की अध्यक्षता में नवाचार एवं कौशल केंद्र के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. शैलेंद्र देवलंकर, तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. विनोद मोहितकर, ऑस्ट्रेलिया के न्यूकैसल विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. अजयन विनु, डी. वाई. पाटिल अभिमत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. संजय डी. पाटिल, मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रवींद्र कुलकर्णी, डॉ. होमी भाभा राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति रजनीश कामत, संयुक्त सचिव संतोष खोरगड़े, उप सचिव प्रताप लुबल और अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री पाटिल ने कहा, महाराष्ट्र-ऑस्ट्रेलिया नवाचार और कौशल केंद्र केवल एक शैक्षिक पहल नहीं है, बल्कि राज्य को एक स्थायी ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलने के उद्देश्य से एक दूरदर्शी संकल्प है। यह केंद्र ऑस्ट्रेलिया-भारत उत्कृष्टता केंद्र के माध्यम से कार्य करेगा। भारतीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर के बीच बैठक से उभरी इस पहल में युवाओं को सशक्त बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की संयुक्त प्रतिबद्धता दिखाई देगी। इस केंद्र के माध्यम से महाराष्ट्र सरकार और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। इस पहल में आईआईटी मुंबई, मुंबई विश्वविद्यालय, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, डी.वाई. पाटिल विश्वविद्यालय के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया के न्यूकैसल, मोनाश, आरएमआईटी और सिडनी विश्वविद्यालय सहित राज्य के प्रमुख संस्थान और विश्वविद्यालय भाग लेंगे। इसके माध्यम से छात्रों को विदेशी पाठ्यक्रमों और विशेष कौशल प्रशिक्षण के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर अवसर उपलब्ध होंगे।

## सम्पादकीय

### भारत-रूस के बीच लंबे समय से परस्पर सहयोग आधारित संबंध, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं दोनों देश

दुनिया भर में बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच रूस के विदेश मंत्री ने भारत के अन्य देशों के साथ संबंधों को लेकर जो कहा है, उसे एक परिपक्व टिप्पणी कहा जा सकता है। दरअसल, पिछले कुछ समय से अमेरिका ने आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह तेज रफ्तार से नीतिगत फैसले किए हैं, उसके केंद्र में सिर्फ अपना हित सुनिश्चित करने के लिए दूसरे देशों के हितों को नजरअंदाज करने से लेकर उन पर दबाव बनाने तक का रवैया शामिल है। इस क्रम में भारत कुछ ज्यादा ही निशाने पर लगता है, क्योंकि अमेरिका ने शुल्क लगाने से लेकर रूस से तेल आयात करने पर जुर्माना लगा कर कई तरह से भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की। मगर भारत के लिए सबसे अहम चुनौती यह है कि वह किसी भी देश के नाहक दबाव के सामने किस हद तक समझौता कर सकता है। ऐसी स्थिति में भारत ने अपनी स्वतंत्र नीति पर अमल जारी रखा और अमेरिका के बहुस्तरीय दबाव के बावजूद अपने स्तर पर कूटनीतिक फैसले लिए। इसके तहत भारत ने बिना किसी आग्रह के यह तय किया कि किस देश के साथ उसे कैसा संबंध रखना है और किसे अपने सहयोगी के रूप में तरजीह देना है।

कायदे से भारत के इस रुख से किसी भी देश को उङ्का नहीं होना चाहिए था, क्योंकि इसमें अन्य देशों की उपेक्षा या किसी के विरुद्ध कोई नीतिगत दखलअंदाजी नहीं है। इस लिहाज से देखें तो रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का यह बयान महत्त्वपूर्ण है कि रूस ने हमेशा से भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का सम्मान किया है और रूस को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि भारत का दूसरे देशों के साथ कैसा रिश्ता है। लावरोव ने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ भारत के संबंध कैसे रहते हैं, इसे लेकर भी रूस को कभी चिंता नहीं हुई।

जाहिर है, रूसी विदेश मंत्री का बयान एक स्वतंत्र और संप्रभु देश के रूप में भारत के कूटनीतिक फैसलों का सम्मान करने के साथ-साथ अपने ऊपर भरोसे की भी अभिव्यक्ति है। यह छिपा नहीं है कि भारत और रूस के बीच दूरी बनाने के मकसद से अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाने की भी कोशिश की। यह एक तरह से अमेरिका के अपने असुरक्षाबोध का सूचक और जल्दबाजी में किया गया फैसला था। मगर भारत ने अपनी जरूरत और हितों के अनुरूप ही इस संबंध में अपना रुख तय किया और रूस से तेल की खरीदारी जारी रखी।

यों भी, भारत और रूस के बीच पुराने और मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं और दोनों देश एक-दूसरे का सम्मान करते रहे हैं। इस क्रम में रूस ने कभी भी इस बात के लिए दबाव नहीं बनाया कि भारत किसी अन्य देश के साथ कैसा संबंध रखे। इसे भी रूसी विदेश मंत्री ने दर्ज किया और कहा कि भारत अपने फैसले लेने में सक्षम है और हम उसके राष्ट्रीय हितों तथा विदेश नीति का सम्मान करते हैं।

भारत-रूस के बीच लंबे समय से परस्पर सहयोग आधारित संबंध है, जिसे अब नए दौर में अहम रणनीतिक साझेदारी के तौर पर देखा जाता है। इसी क्रम में दिसंबर में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्रस्तावित भारत यात्रा के दौरान व्यापार, सैन्य, तकनीकी सहयोग, वित्त, स्वास्थ्य, उच्च प्रौद्योगिकी सहित अन्य कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग पर चर्चा की संभावना है। जाहिर है, तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद रूस के साथ भारत के संबंध परस्पर सम्मान और हित के मूल्यों पर आधारित हैं और रूसी विदेश मंत्री ने इसी को रेखांकित किया है।

# दवाओं के दुरुपयोग की समस्या, महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लेते लोग

आधुनिक जीवनशैली की भाग-दौड़ में महिलाएं अपनी जरूरत या सुविधा के लिए कई बार ऐसे निर्णय लेती हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो सकते हैं। महिलाओं के स्वास्थ्य का मतलब उनका संपूर्ण हित है। यह हमारे समाज की भी नैतिक जिम्मेदारी है कि महिलाओं को सुरक्षित और स्वस्थ जीवन जीने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की जाए। कुछ समय पहले दिल्ली में एक युवती की असामयिक मृत्यु ने एक बार फिर हमारे सामने महिलाओं के स्वास्थ्य और दवाओं के अनियंत्रित उपयोग की गंभीर समस्या को उजागर किया है। इस युवती की मृत्यु इसलिए हो गई, क्योंकि उसने बिना चिकित्सीय सलाह के हार्मोन से जुड़ी दवाओं का सेवन किया था, जिससे उसे 'डीप वेन थ्रोम्बोसिस' (डीवीटी) की समस्या हो गई थी। यह घटना न केवल दवाओं के दुरुपयोग की समस्या को दर्शाती है, बल्कि महिला स्वास्थ्य के प्रति हमारे समाज की उदासीनता को भी उजागर करती है।

यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि जागरूकता के अभाव में कई महिलाएं अपनी किसी बीमारी का इलाज समय पर नहीं करा पातीं और उसका खमियाजा या तो वे लंबे समय तक उठाती हैं या फिर शरीर में कोई जटिल रोग बैठ जाता है, जो उनके सहज जीवन को बाधित कर देता है। दिल्ली में जिस युवती की 'डीप वेन थ्रोम्बोसिस' से मौत हुई, उसके मामले में भी कुछ इसी तरह की जटिलता कारण बनी। यह एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसमें शरीर की गहरी नसों में रक्त के थक्के बन जाते हैं। चिकित्सकों ने जब इस मामले में गहन जांच की, तो पता चला कि रक्त का थक्का नाभि तक फैल गया था।

यह घटना हमारे समाज की उस मानसिकता को दर्शाती है, जहां महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जाता। 'डीप वेन थ्रोम्बोसिस' की पहचान करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इसके लक्षण अक्सर सूक्ष्म होते हैं। पैरों में सूजन, तेज दर्द, गर्माहट की अनुभूति और त्वचा का लाल या नीला पड़ना इसके प्रमुख संकेत हैं। अगर समय पर इलाज न कराया जाए तो ये थक्के फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं, जिसे 'पल्मोनरी एम्बोलिज्म' कहा जाता है और यह समस्या अक्सर जानलेवा साबित होती है। ऐसे में चिकित्सकों से उम्मीद की जाती है कि वे मरीजों को विभिन्न दवाओं के संभावित दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दें और यह भी समझाएं कि किन स्थितियों में तत्काल चिकित्सीय सहायता लेनी चाहिए।

इस मामले में अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों में सामने आए आंकड़े अत्यंत चिंताजनक हैं। हार्मोन से संबंधित गर्भनिरोधक दवाओं का उपयोग करने वाली महिलाओं में 'वेनस थ्रोम्बोएम्बोलिज्म' का खतरा सामान्य महिलाओं की तुलना में दो से छह गुना तक बढ़ जाता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रति एक लाख महिलाओं में से केवल पांच से दस महिलाएं ही प्राकृतिक रूप से इस बीमारी की शिकार होती हैं, लेकिन दूसरी पीढ़ी की हार्मोन से जुड़ी दवाओं के उपयोग से यह जोखिम तीन-चार गुना और तीसरी पीढ़ी की दवाओं से छह से आठ गुना तक बढ़ जाता है। अमेरिकन कालेज आफ आब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलाजिस्ट्स के अध्ययन के अनुसार, जो महिलाएं छह महीने तक लगातार हार्मोन से जुड़ी दवाओं का उपयोग करती हैं, उनमें डीवीटी, पक्षाघात और दिल के दौरे का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। खासकर उपयोग के पहले वर्ष में यह जोखिम सबसे अधिक होता है।

भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े कुछ जरूरी विषयों पर अभी भी खुली चर्चा नहीं होती। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, देश में अधिकांश महिलाएं बिना किसी चिकित्सीय सलाह के अपने प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़ी दवाओं का सेवन करती हैं। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि हार्मोन से संबंधित दवाओं का गलत उपयोग गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। सामाजिक दबाव, शर्म और अज्ञानता के कारण महिलाएं अक्सर अपनी समस्याओं को छिपाती हैं और बिना चिकित्सक की सलाह के दवाओं का सेवन करती हैं। विशेष अवसरों, यात्राओं या परीक्षाओं के दौरान माहवारी या अपनी सेहत से जुड़ी असुविधा से बचने के लिए वे ऐसी दवाओं का सहारा लेती हैं, जो अत्यंत खतरनाक है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के अनुसार, एस्ट्रोजन युक्त गर्भनिरोधक दवाओं का उपयोग करने वाली महिलाओं को नियमित चिकित्सीय जांच कराते रहना चाहिए। विशेष रूप से पैंतीस वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं, धूम्रपान करने वाली महिलाओं, उच्च रक्तचाप की समस्या एवं मोटापे से ग्रस्त महिलाओं और जिनके पारिवारिक इतिहास में रक्त का थक्का बनने की समस्या है, उनके लिए यह जोखिम और भी अधिक बढ़ जाता है।

चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि हार्मोन से संबंधित दवाओं का उपयोग केवल चिकित्सीय निगरानी में ही किया जाना चाहिए। 'अमेरिकन कालेज आफ आब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलाजिस्ट्स' के मुताबिक, मासिक धर्म का दमन चिकित्सीय निगरानी में सुरक्षित हो सकता है, लेकिन यह आवश्यक है कि महिलाएं अपने चिकित्सक से संपूर्ण जानकारी साझा करें और नियमित जांच कराती रहें।

कई बार कुछ घटनाएं एक व्यापक समाज के लिए सबक का काम करती हैं। सबसे पहले यह समझने की जरूरत है कि महिलाओं की सेहत से जुड़ी समस्याओं पर ईमानदारी से चर्चा नहीं करने से महिलाओं सहित समूचे समाज की समस्या और ज्यादा जटिल ही होगी। परिवारों को यह समझना होगा कि महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे उतने ही महत्त्वपूर्ण हैं, जितने कि पुरुषों के। देर से इलाज कराने या डाक्टर की सलाह को नजरअंदाज करने से जीवन को खतरा हो सकता है।

माता-पिता और परिवारजनों को महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। शर्म या झिझक के कारण इलाज में देरी करना जानलेवा साबित हो सकता है। हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था को महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। दवा की दुकानों में बिना चिकित्सक की सलाह के हार्मोन से संबंधित दवाओं की बिक्री पर सख्त नियंत्रण होना चाहिए। दवा विक्रेताओं को ऐसी दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी होनी चाहिए और उन्हें ग्राहकों को चिकित्सीय सलाह लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

महिलाओं को हार्मोन से संबंधित दवाओं के सही उपयोग और संभावित जोखिमों के बारे में शिक्षित करना आवश्यक है। चिकित्सकों को ऐसी दवाओं के नवीनतम दुष्प्रभावों के बारे में नियमित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, ताकि वे मरीजों को सही सलाह दे सकें। दूसरी ओर, महिलाओं को भी अपनी सेहत को लेकर जागरूक होने की जरूरत है, ताकि वे अगर किसी दवा का सेवन करती हैं, तो रक्तचाप, रक्त थक्का बनने की प्रवृत्ति और अन्य महत्त्वपूर्ण मानकों की जांच कराना जरूरी मानें। पैरों में असामान्य सूजन, दर्द, गर्माहट या त्वचा के रंग में परिवर्तन जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इन लक्षणों के दिखने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेनी चाहिए। हालांकि इस समस्या का समाधान केवल चिकित्सा जगत की जिम्मेदारी नहीं है। समाज के प्रत्येक स्तर पर जागरूकता फैलानी होगी। परिवारों को महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील बनना होगा।

# सोशल मीडिया के युग में बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया दे देते हैं लोग छोटी घटनाओं पर हिंसा और विवाद इसी असंयम का परिणाम

मानव जीवन का सबसे बड़ा रहस्य बाहर की परिस्थितियों में नहीं, बल्कि हमारे भीतर छिपा होता है। इस रहस्य का नाम है संयम। यह ऐसा गुण है जो साधारण व्यक्ति को भी असाधारण बना देता है। संयम केवल इंद्रियों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि मन, वाणी और कर्मों को सही दिशा देने की कला है। अगर विश्वास जीवन का आधार है, तो संयम उसकी दिशा है। मनुष्य के भीतर अपार ऊर्जा होती है। यही ऊर्जा कभी सृजन का साधन बनती है और कभी विनाश का कारण। जैसे नदी जब अपने किनारों में बहती है, तो जीवनदायिनी बनती है, लेकिन बाढ़ बनकर बहती है तो सब कुछ उजाड़ देती है।

यही स्थिति मनुष्य की प्रवृत्तियों की भी है। अगर वे संयमित हों, तो सुख, शांति और सफलता लाती हैं और असंयमित हों तो दुख और अशांति। संयम का अर्थ इच्छाओं को दबाना नहीं है। यह आत्मसंयम की वह प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने भीतर उठने वाले विचारों और भावनाओं को उचित दिशा देता है। मसलन, क्रोध हर इंसान को आता है। अगर वह अनियंत्रित हो तो संबंध बिगाड़ देता है, लेकिन संयमित होकर अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की शक्ति बन जाता है। इसी तरह वाणी पर संयम रखने वाला व्यक्ति कटुता के बजाय संवाद और समाधान का मार्ग प्रशस्त करता है।

आज की तेज-तर्रार दुनिया में संयम की आवश्यकता और बढ़ गई है। सोशल मीडिया के युग में लोग बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया दे बैठते हैं। इससे संबंधों में कड़वाहट और समाज में तनाव फैलता है। अगर व्यक्ति बोलने से पहले ठहर जाए और सोच ले कि उसके शब्द किसी को चोट तो नहीं देंगे तो अनेक विवाद जन्म ही नहीं लेंगे। यह संयम की छोटी-सी आदत बड़े परिणाम ला सकती है। संयम का दूसरा आयाम है इंद्रिय संयम। भोग-विलास की प्रवृत्तियां मनुष्य को आकर्षित करती हैं। खाने-पीने में अति, मनोरंजन में अति या धन की लालसा जीवन का संतुलन बिगाड़ देती है। जो व्यक्ति मितव्ययी होकर जीना सीख लेता है और संसाधनों का संतुलित उपयोग करता है, वह दीर्घकालिक सुख और स्वास्थ्य पाता है। प्राचीन भारतीय संस्कृति में इसी कारण संयम को तपस्या कहा गया है।

संयम का एक रूप समय प्रबंधन में भी झलकता है। असंयमी व्यक्ति समय को गंवा देता है और पछताता है, जबकि संयमी व्यक्ति समय का महत्त्व समझकर हर पल का सदुपयोग करता है। इसलिए संयम को सफलता का मूल मंत्र माना गया है। मानव संबंधों में भी संयम अनिवार्य है। परिवार, मित्रता या दांपत्य जीवन- ये सब धैर्य और संयम पर टिके होते हैं। अगर व्यक्ति अपने स्वार्थ और क्रोध को संयमित न करे, तो रिश्ते टूट जाते हैं, लेकिन जब वह अहंकार पर नियंत्रण करता है तो रिश्ते मधुर बने रहते हैं। यहां संयम त्याग और समझदारी का दूसरा नाम है। संयम का जादू यह है कि यह धीरे-धीरे स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। शुरूआत में यह अभ्यास जैसा लगता है, जैसे बोलने से पहले सोचना, गुस्से में प्रतिक्रिया न देना, खाने में मितव्ययिता या समय का नियमित उपयोग करना, लेकिन धीरे-धीरे यह सहज आदत बन जाता है। तब व्यक्ति की वाणी मधुर हो जाती है, विचार सकारात्मक और कर्म सृजनशील। यही परिवर्तन उसे भीतर से सशक्त करता है।

संयम व्यक्तिगत ही नहीं, सामाजिक जीवन में भी आवश्यक है। छोटी घटनाओं पर हिंसा और विवाद इसी असंयम का परिणाम है। जबकि संयमित समाज में सहयोग, सहिष्णुता और सामंजस्य बढ़ता है। इसलिए संयम को सामाजिक मूल्य भी माना गया है। धार्मिक और दार्शनिक दृष्टि से संयम आध्यात्मिक यात्रा का प्रथम चरण है। योगशास्त्र में इसे विशेष महत्त्व दिया गया है। योगसूत्रों में संयम का उल्लेख यम और नियम के अंतर्गत है। संयम साधक को भीतर की शांति और आत्मज्ञान की ओर ले जाता है। ऋषि-मुनियों ने इसे आत्मा की शक्ति कहा है। इसे संभाल न पाने और टूट जाने के परिणाम हर जगह दिखते हैं। आवेश में लिए निर्णय जीवन भर का पछतावा दे जाते हैं। असंयमित जीवनशैली स्वास्थ्य बिगाड़ देती है। अनियंत्रित वाणी रिश्ते तोड़ देती है। जबकि संयमी व्यक्ति कठिनाइयों को अवसर में बदल देता है और दूसरों के लिए प्रेरणा बनता है।

यह भी सत्य है कि संयम का मार्ग आसान नहीं है। मन चंचल है, इंद्रियां आकर्षित करती हैं और परिस्थितियां उकसाती हैं, लेकिन यही चुनौती इसे मूल्यवान बनाती है। संयम धैर्य, अभ्यास और आत्म-जागरूकता से आता है। जब व्यक्ति यह समझ लेता है कि क्षणिक सुख के पीछे भागना आखिर दुख देगा, तब वह संयम अपनाता है। धीरे-धीरे यह उसकी स्थायी शक्ति बन जाता है। संयम का अर्थ जीवन को सीमाओं में बांधना नहीं, बल्कि उसे सशक्त और उद्देश्यपूर्ण बनाना है। जिस प्रकार वाद्ययंत्र की तारें ढीली हों तो उससे धुन नहीं निकलता और अत्यधिक कसी हों तो टूट जाती हैं, उसी प्रकार जीवन भी बिना संयम के या तो सुस्त हो जाता है या तनाव में टूट जाता है। यही वह संतुलन है जो मनुष्य को अपनी शक्ति से परिचित कराता है और उसे जीवन की सच्ची ऊंचाइयों तक ले जाता है। जो स्वयं पर विजय पा लेता है, वही संसार में सच्चा विजेता कहलाता है।

कहा जा सकता है कि संयम उपदेश का नहीं, अनुभव का विषय है। इसे शब्दों से नहीं, अभ्यास से समझा जा सकता है। संयमित जीवन जीना कठिन अवश्य है, पर असंभव नहीं। बोलने से पहले ठहरना, क्रोध पर काबू पाना और समय का सदुपयोग करना जैसी छोटी शुरूआत बड़े परिवर्तन लाती है। यही परिवर्तन जीवन को सशक्त, संतुलित और सार्थक बनाते हैं। संयम ही वह जादू है, जो साधारण मनुष्य को असाधारण बना देता है और स्वयं पर विजय दिलाता है, क्योंकि सबसे बड़ी जीत दूसरों पर नहीं, स्वयं पर होती है।

# पुलिस हिरासत में मौतें पुलिस तंत्र की भयावह तस्वीर है

बिहार के वैशाली में पुलिस कस्टडी में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस हिरासत में कथित मौत की यह घटना सुप्रीम कोर्ट के करीब एक सप्ताह पहले राजस्थान में ऐसी मौतों पर राज्य सरकार से जवाब तलब के बाद हुई है। यह पहला मौका नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में मौतों को लेकर जवाब तलब किया है। इससे पहले भी ऐसी मौतों के मामले में सुप्रीम कोर्ट गाइड लाइन जारी कर चुका है। इसके बावजूद देश में लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान में पुलिस हिरासत में मौतों को लेकर स्वतः संज्ञान लिया। देशभर के थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई। जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने हिरासत में मौत को लेकर रिपोर्ट पर कहा कि 2025 में पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में ही पुलिस हिरासत में 11 लोगों की मौत हुई है, जबकि, 5 साल पहले सुप्रीम कोर्ट एक ऐतिहासिक फैसला सुना चुका है। इसमें हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने सभी थानों में सीसीटीवी कैमरे लगवाएं जाने के निर्देश दिए गए थे। इस रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि ऐसे मामलों में अक्सर पुलिस सीसीटीवी फुटेज देने से बचती है। इसके पीछे पुलिस की तरफ से कई तरह के कारण बताए जाते हैं, जैसे कि तकनीकी खराबी, फुटेज स्टोरेज की कमी, जांच जारी है या कानूनी प्रतिबंध।

कई मामलों में तो पुलिस ने फुटेज देने से सीधे इनकार कर दिया या जानबूझकर देरी की। अदालत ने साफ कहा था कि थाने का कोई भी हिस्सा निगरानी से बाहर नहीं होना चाहिए। लॉकअप से लेकर मेन गेट, कॉरिडोर, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर के कमरे, ड्यूटी रूम और थाने का पूरा कैंपस सीसीटीवी कवरेज में होना चाहिए। साथ ही, सीबीआई, ईडी, एनआईए, एनसीबी और डीआरआई जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के दफ्तरों में भी कैमरे लगाने के आदेश दिए गए थे। इनका डेटा कम से कम एक साल तक सुरक्षित रहे। इन मामलों से यह साफ है कि सुप्रीम कोर्ट के इन निर्देशों का पालन पूरी तरह से नहीं किया गया है। कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जताई है कि मानवाधिकारों के उल्लंघन की समीक्षा के लिए बनाई गई केंद्रीय और राज्य स्तरीय कमेटियां भी ठीक से काम नहीं कर रही हैं।

राजस्थान में लगातार हो रही हिरासत में मौतों ने पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इन मामलों में पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध न कराना संदेह पैदा करता है। अदालत ने इस मामले में सभी संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। विधानसभा में एक सवाल के जवाब में सरकार की ओर से बताया गया कि राजस्थान में बीते दो साल में पुलिस हिरासत में 20 लोगों की मौतें हुई। लेकिन किसी भी पुलिसकर्मी या पुलिस अधिकारी को मौत का दोषी नहीं माना गया। इनमें पांच व्यक्तियों की मौत हार्ट अटैक से होना बताया गया जबकि एक व्यक्ति ने कुएं में कूदकर सुसाइड कर लिया था। दो मामलों में संतरियों को 17 सीसी के नोटिस थमाए गए हैं। शेष 14 मामलों में अभी तक मौत का कोई कारण सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि इन मामलों की जांच करवाई जा रही है। पुलिस हिरासत में मौतों की खबर भारत में जैसे बहुत आम है। लगभग रोज़ अखबारों में जेल में या पुलिस की हिरासत में मारे जाने वालों की खबर छपती है। 26 जुलाई 2022 को लोकसभा में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने जानकारी दी कि 2020 से 2022 के बीच 4484 लोगों की मौत हिरासत में हुई थी। मानवाधिकार आयोग ने माना कि 2021-22 में जेलों में 2152 लोग मारे गए। इनमें 155 मौतें पुलिस हिरासत में हुई थीं। लेकिन सवाल है, देश में हिरासत में इतनी मौतें क्यों होती हैं? क्या पुलिस व्यवस्था हिरासत में या जेल काट रहे क़ैदियों के साथ अमानवीय बरताव करती है? क्या वह क़ानूनों का खयाल नहीं रखती? कॉमन कॉज के एक सर्वे के मुताबिक ज़्यादातर पुलिसवाले टॉर्चर और हिंसा को अपने काम के लिए ज़रूरी मानते हैं। 30 फ़ीसदी पुलिसवाले गंभीर मामलों में थर्ड डिग्री टॉर्चर को सही मानते हैं। जबकि 9 फीसदी यहां तक मानते हैं कि छोटे-मोटे अपराधों में भी ये सही है। प्रकाश कदम बनाम रामप्रसाद विश्वनाथ गुप्ता के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने फर्जी मुठभेड़ों पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। न्यायालय ने कहा कि जिन मामलों में पुलिसकर्मियों के खिलाफ फर्जी मुठभेड़ साबित होती है, उन्हें दुर्लभतम मामलों में से दुर्लभतम मानते हुए मृत्युदंड दिया जाना चाहिए। पुलिसकर्मियों को चेतावनी दी गई कि उन्हें मुठभेड़ के नाम पर हत्या करने के लिए इस बहाने से माफ नहीं किया जाएगा कि वे अपने वरिष्ठ अधिकारियों या राजनेताओं, चाहे वे कितने भी बड़े क्यों न हों के आदेशों का पालन कर रहे हों। डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि यातना को संविधान या अन्य दंडात्मक कानूनों में परिभाषित नहीं किया गया है। किसी मनुष्य द्वारा दूसरे मनुष्य को दी जाने वाली यातना, मूलतः कमज़ोर पर शक्तिशाली की इच्छा को पीड़ा देकर थोपने का एक साधन है। आज यातना शब्द मानव सभ्यता के अंधकारमय पक्ष का पर्याय बन गया है। यातना और अन्य क्रूर अमानवीय एवं अपमानजनक व्यवहार या दंड के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन पर हस्ताक्षर करने वाले 170 देशों में से, भारत उन आठ देशों में से एक है जिन्होंने अभी तक इस कन्वेंशन का अनुसमर्थन नहीं किया है। अपने उद्देश्यों और कारणों के विवरण में, विधेयक में कहा गया है कि इस कन्वेंशन का अनुसमर्थन भारत सरकार की बुनियादी सार्वभौमिक मानवाधिकारों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। विधि आयोग की 273वीं रिपोर्ट में कहा गया कि हिरासत में मौतें सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं हैं, बल्कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में गहरी अस्वस्थता का लक्षण हैं। संवैधानिक गारंटी, कानूनी सुरक्षा उपायों और न्यायिक घोषणाओं के बावजूद, हिरासत में यातना और दुर्व्यवहार का प्रयोग व्यापक रूप से जारी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि जहाँ किसी लोक सेवक को हिरासत में यातना देना साबित हो जाता है, वहाँ यह साबित करने का भार कि यातना जानबूझकर नहीं दी गई थी, या लोक सेवक की सहमति या सहमति से नहीं दी गई थी, लोक सेवक पर आ जाएगा। आयोग के मसौदे में हिरासत में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सज़ा का भी प्रावधान था। मसौदे में पीड़ित को मुआवज़ा देने का भी प्रावधान था। यह रिपोर्ट धूल चाट रही है। राजनीतिक दलों को ऐसे मामलों में तभी चिंता होती है, जब वे विपक्ष में होते हैं। सत्ता मे आते ही नेता गिरगिट की तरह रंग बदलने लगते हैं। केंद्र सरकार ने हाल ही में पुलिस कानूनों में सुधार किया है, किन्तु हिरासत में मौतें और प्रताड?ा जैसे मामलों में जिम्मेदारी तय नहीं की गई और न ही किसी तरह के मुआवजे का प्रावधान किया गया। पुलिस के खिलाफ ऐसे मामलों में जब तक कठोर कानून नहीं बनेगा, तब तक हिरासत में मौतों से देश शर्मसार होता रहेगा।

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। जिलाधिकारी ने वीएचएनडी सेसन की मानीटरिंग में लापरवाही बरतने वाले प्रभारी चिकित्सा अधीक्षकों एवं सम्बंधित सीडीपीओ का वेतन रोके जाने एवं टीकाकरण में लापरवाही बरतने वाले प्रभारी चिकित्सा अधीक्षकों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी ने चिकित्सालयों में साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता बनाये रखने तथा शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने वीएचएनडी सेसन की मानीटरिंग में लापरवाही बरतने वाले प्रभारी चिकित्सा अधीक्षकों एवं सम्बंधित सीडीपीओ का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने टीकाकरण में लापरवाही बरतने वाले प्रभारी चिकित्सा अधीक्षकों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है।

जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता एवं चिकित्सालयों में उपलब्ध आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की करायी गयी जांच में जो कमियां पायी गयी थी, उनको त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आवश्यक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में साफ-सफाई की अच्छी व्यवस्था करायी जाये और मुख्य चिकित्साधिकारी एवं अपर चिकित्साधिकारियों के द्वारा नियमित रूप से सीएससी एवं पीएचसी का निरीक्षण करते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दूरूस्त बनायी जाये। जिलाधिकारी ने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के आयुष्मान आरोग्य केन्द्रों की सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराते हुए उसकी सक्रियता बढ़ाये जाने के निर्देश दिए है।

जिलाधिकारी ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में साफ-सफाई की व्यवस्था अच्छी रहे, चिकित्सकों और स्टॉफ की समय से शत-प्रतिशत उपस्थिति रहे, दवाओं की उपलब्धता बनी रहे, चिकित्सकीय जांच की मशीनों की उपलब्धता रहे एवं उसका संचालन होता रहे, अभिलेखों को अद्यतन रखा जाये, जनसामान्य को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहे, महिला प्रसव वार्ड में साफ-




सफाई व अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की मुकम्मल व्यवस्था रहे और किसी भी चिकित्सक के द्वारा कोई भी बाहर की दवा न लिखी जाये। उन्होंने हेपटाइटस बी, बर्थ डोज एवं ओपीवी जीरो डोज को शत-प्रतिशत लगाये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने एएनसी विजिट, एएनसी जांच और हाइपर टेंशन, डायबिटिज की कम जांचें किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जांच बढ़ाये जाने के निर्देश दिए है।

बैठक में 05 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलने वाले संचारी रोग एवं दस्तक अभियान की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अभियान का प्रचार-प्रसार करते हुए नगर निगम व ग्रामीण क्षेत्रों जिला पंचायत राज अधिकारी को साफ-सफाई, फागिंग, एण्टीलार्वा का छिड़काव कराये जाने के निर्देश दिए है।

बैठक में जिलाधिकारी ने विश्व रैबीज दिवस-28 सितम्बर जो कि एक सप्ताह तक मनाया जायेगा, का प्रचार-प्रसार करते हुए लोगो में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाये जाने एवं नगर निगम व मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को कुत्तों के टीकाकरण कराये जाने की व्यवस्था कराने के लिए कहा है।

जिलाधिकारी ने सभी सीएचसी एवं पीएचसी पर एक सूचना पट्ट लगवाये जाने एवं उसमें चिकित्सकों के मिलने के समय, मोबाइल नम्बर एवं अन्य आवश्यक सूचनाएं अंकित कराये जाने के लिए कहा है।

बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित समस्त कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने टीकाकरण कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बताते हुए समस्त चिकित्सा अधीक्षको को निर्देश दिया कि बच्चों के टीकाकरण की नियमित मानीटरिंग करते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण करायें। टीकाकरण कार्यक्रम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंदों पर तैनात स्वास्थ शिक्षा अधिकारी, बीपीएम, बीसीपीएम, एआरओ एवं सीएचओ द्वारा टीकाकरण की क्षेत्र में मॉनिटरिंग नहीं किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने सीएमओ को निर्देशित किया वे उक्त कार्य की समीक्षा करें तथा लापरवाही की स्थिति में संबंधित के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित करें। कुछ ब्लॉक की आशाओं द्वारा एचबीएनसी विजिट कम किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने उक्त ब्लॉकों के चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देशित किया कि वे आशाओं के कार्यों की नियमित समीक्षा करें तथा निष्क्रिय आशाओं के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 एके तिवारी, समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालयों के समस्त प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक, चिकित्सा अधीक्षक, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला कार्यक्रम प्रबंधक साहित सहयोगी विभागों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे



पुलिस उपायुक्त नगर कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गयीं तथा उनके समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

# जिलाधिकारी ने मिशन शक्ति-5.0 अभियान के अन्तर्गत स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 30 महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन पर आधारित मिशन शक्ति-5.0 अभियान के अन्तर्गत मंगलवार को संगम सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक में स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 30 महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त करने वालो में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 निशा सोनकर, चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 अंकिता पाण्डेय, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ0 ऋचा तिवारी, डॉ0 प्रतिमा मिश्रा सहित प्रभारी चिकित्साधिकारी, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, एआरओ, कनिष्ठ सहायक, बीपीएम, बीसीपीएम, स्टाफ नर्स, एएनएम, आशाएं एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अधिकारी सम्मिलित है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सम्मान प्राप्त करने वाली महिलाओं बधाई देते हुए कहा कि मिशन शक्ति अभियान का 5.0 संस्करण नवरात्रि के अवसर पर महिलाओं के सशक्तीकरण, आत्मनिर्भरता के लिए एवं उनके आत्मविश्वास को बढ़ाये जाने के लिए यह अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि आज कोई भी महिला किसी पुरूष से किसी क्षेत्र में पीछे नहीं है। कहा कि महिलाओं को अवसर प्राप्त होने पर वे अपने पदों का दायित्व बहुत ही जिम्मेदारी से निभाती है। उन्होंने कहा कि आज जहां कहीं भी सक्सेसफुल लोगो की लिस्ट आती है, उसमें महिलाओं एवं लड़कियों की संख्या सबसे ज्यादा रहती है। जिलाधिकारी ने कहा कि हमें लड़के और लड़कियों किसी भी प्रकार का भेदभाव न करें और सभी को आगे बढ़ने का समान अवसर दें। उन्होंने मिशन शक्ति अभियान की थीम-सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश का जिक्र करते हुए कहा कि जब तक नारी सशक्त नहीं होगी, तब तक प्रदेश समृद्ध नहीं होगा। कहा कि आधी जनसंख्या आपकी है, यदि आधी जनसंख्या कार्य नहीं करेगी, सशक्त नहीं होगी, तो देश और प्रदेश कैसे समृद्ध होगा। हम सभी महिलाओं को आगे बढ़ाये जाने एवं उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने हेतु इस मिशन शक्ति अभियान से एक सकारात्मक माहौल बनायें। उन्होंने कहा कि महिलायें अपने कार्य के प्रति जागरूक रहती है, समय से एवं नियम कानून से अपने कार्यों को सम्पादन करती हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश तब तक विकसित नहीं होगा, जब तक हमारा देश बीमारियों एवं स्वास्थ्य समस्याओं से मुक्त नहीं होगा। इसके लिए ग्रामीण स्तर पर कार्य करने वाली स्वास्थ्य कर्मियों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने एएनएम व आशा कार्यकत्रियों नारी सशक्तीकरण का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए उन्हें मजबूती के साथ कार्य करते हुए बच्चो का शत-प्रतिशत टीकाकरण एवं गर्भवती महिलाओं की जांच एवं दवाईयों का वितरण अवश्य कराये जाने




करने के लिए कहा है, जिससे जच्चा और बच्चा दोनो स्वस्थ रहे। उन्होंने कहा कि आप सभी एक बहुत बड़े अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आप केवल महिलाओं को ही सशक्त नहीं बल्कि पूरे समाज को स्वास्थ्य की सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

जिलाधिकारी ने कहा कि आज आपको सम्मानित करने का मुख्य उद्देश्य यह था कि आप सभी लोग पूरे मनोयोग के और मेहनत के साथ कार्य करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 एके तिवारी, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, मिशन शक्ति अभियान में स्वास्थ्य विभाग की नोडल डॉ0 लतिका शुक्ला, वन स्टॉ सेंटर की प्रबंधक नीलेशा यादव, समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालयों के समस्त प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक, चिकित्सा अधीक्षक, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला कार्यक्रम प्रबंधक साहित सहयोगी विभागों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## थरवई पुलिस ने दुष्कर्म के वांछित आरोपी को दबोचा

थरवई। थाना क्षेत्र के बसमहुआ गांव के समीप नेशनल हाईवे सर्विस रोड से मंगलवार सुबह पुलिस ने दुष्कर्म के वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।थरवई पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी विकास भारतीय पुत्र बनवारी लाल उर्फ बब्बू निवासी कुंआडीह थाना सरायइनायत, लंबे समय से दुष्कर्म के मुकदमे में वांछित चल रहा था। थरवई थाने पर पंजीकृत इस मामले में पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी।मंगलवार को मुखबिर से सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक अर्जुन सिंह, उपनिरीक्षक अमित चौबे और उपनिरीक्षक जितेंद्र सिंह की टीम ने बसमहुआ गांव के समीप नेशनल हाईवे सर्विस रोड पर घेराबंदी की और आरोपी को दबोच लिया।इस कार्रवाई को डीसीपी गंगानगर के मार्गदर्शन, एसीपी थरवई चंद्रपाल सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक थरवई संतोष पांडे के कुशल निर्देशन में अंजाम दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराध एवं अपराधियों की धर-पकड़ अभियान के अंतर्गत लगातार वांछित आरोपियों पर कार्रवाई की जा रही है।

# जिले के यमुनापार क्षेत्र के कई स्कूलों के प्रबंधक शिक्षक एवं समाजसेवी हुए सपा में शामिल

## स्नातक एमएलसी चुनाव में सर्वाधिक सीटों पर होगी सपा की जीत : श्यामलाल पाल

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज।विधानपरिषद की इलाहाबाद -झाँसी स्नातक सीट पर हर हाल में समाजवादी पार्टी का कब्ज़ा बरकरार रखने के लिये ज़ी जान लगाकर जुटे पार्टी कार्यकर्ताओं की आज अंदावा कार्यालय में हुई एक बैठक में सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कहा कि हर एक कार्यकर्ताओं को अपने को अखिलेश यादव मानकर पूरी ताकत से जुटना होगा। सपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश भर में विधानपरिषद की कुल 11सीटों पर चुनाव की घोषणा हो चुकी है जिसके लिये कल एक अक्टूबर से ही मतदाता बनने के लिये फार्म तहसीलों में जमा होंगे। उन्होंने दावा किया कि 6 शिक्षक एवं 5 स्नातक कुल 11सीटों पर होने वाले चुनाव में अबकी बार सर्वाधिक सीटों पर सपा की जीत होगी। यह चुनाव विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष की सीट पर सपा का कब्ज़ा बरकार रखने तथा बहुमत बनाये का तो होगा ही साथ में आगामी 2027में होने वाले प्रदेश के आम चुनाव में तख्ता पलट का सन्देश भी देगा।अहवाहन किया कि मा अखिलेश यादव के नेतृत्व में संविधान की रक्षा और पीडीए का सम्मान बचाने के लिये कार्यकर्ता पूरी ताकत झोंक दें।

एमएलसी डॉ मानसिंह यादव ने बेरोजगारों, शिक्षा मित्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों सहित आम जनमानस के मुद्दों पर हमेशासड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करते रहने के वादे को दुहराते हुए कहा कि पार्टी माँ के समान होती है इसके साथ गद्दारी करना मेरे खून में नहीं है।डॉ आंबेडकर और डॉ लोहिया के विचारों पर चलकर सपा मुखिया मा अखिलेश यादव के नेतृत्व में सदैव सेवा करते रहेंगे।

सपा आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजू पासी के नेतृत्व में दर्जनों लोंगो ने प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल एवं एमएलसी डॉ मानसिंह यादव के समक्ष सपा में शामिल होने की घोषणा की। जिसमें कई विद्यालयों के प्रबंधक, शिक्षक



एवं समाजसेवी शामिल हैं। सपा में शामिल होने वालों में प्रमुख रूप से अश्विनी कुमार, राजेशकुमार, सुग्रीव कुमार, ज्ञान चंद्र पाल, मिथिलेश कुमार, प्रो. डॉ राकेश सरोज, राजकुमार भारती, सुनील कुमार, सत्येंद्र बहादुर, विकास भारती, राजेश सिंह, बालेन्द्र सिंह, बालवंत सिंह, सूबेदार पासी, अनिरुद्ध यादव, परवेज आलम आदि लोग हैं। इस मौके पर सपा शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ एस. पी. सिंह पटेल, जंग बहादुर पटेल, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन, राम मिलन यादव, श्रीमती मालती यादव, पप्पू यादव, पूरन पासी, महबूब उस्मानी, दूधनाथ पटेल, दान बहादुर मधुर, शांति प्रकाश पटेल, वकार अहमद, नन्द लाल पटेल, श्रीकांत यादव, सुधीर गुप्ता, तेज बहादुर भारतीय, सुरेश यादव, नाटे चौधरी, मनीष यादव, मो हामिद, सचिन श्रीवास्तव, जगदीश यादव, सऊद अहमद, राम प्रताप, सुरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

# प्रधानमंत्री के जन्मोत्सव पखवाड़े पर मुक्त विश्वविद्यालय में वेबीनार का आयोजन

## सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने में डिजिटल साक्षरता मददगार- प्रोफेसर सत्यकाम

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मोत्सव पखवाड़े के अतर्गत डिजिटल इंडियाः सतत विकास की संभावनाएँ विषय पर एक वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सतत विकास के लिए डिजिटल इंडिया की महत्ता आज प्रदर्शित हो रही है। डिजिटल शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म और ऑनलाइन कोर्स के माध्यम से लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और कौशल विकास के अवसर मिल रहे हैं, जो सतत विकास के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया पहल के माध्यम से देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में भी डिजिटल साक्षरता बढ़ रही है, जिससे लोगों को सरकारी सेवाओं और अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिल रही है।प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि डिजिटल इंडिया पहल न केवल आर्थिक विकास को मजबूत कर रही है, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय सततता को भी बढ़ावा दे रही है। कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर के प्रो. सुधाकर पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए डिजिटल इंडिया मिशन की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि डिजिटल पहल शासन, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, उद्योग और वित्तीय समावेशन में क्रांति ला रही है। उन्होंने बताया कि डिजिटल उपकरण और प्लेटफॉर्म संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में सीधे योगदान करते हैं। अतिथियों का स्वागत करते




हुए विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता ने कहा कि डिजिटल इंडिया पहल सतत विकास के लिए अत्याधिक महत्वपूर्ण है। डिजिटल तकनीक के उपयोग से पेपरलेस कार्य को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिल रही है। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण पर विचार-विमर्श किया। संवादात्मक चर्चा ने वेबिनार के शैक्षणिक महत्व को और समृद्ध किया। आयोजन सचिव डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता एवं सह-आयोजन सचिव डॉ. राघवेंद्र सिंह ने ऑनलाइन जुड़े प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर ए. के. मलिक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।वेबिनार में विभिन्न संस्थानों के 50 से अधिक संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही।

# विकसित भारत के रंगों से सजी चित्रकला प्रदर्शनी

प्रयागराज। सेवा पर्व के तहत उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने मंगलवार को महात्मा गांधी कला विथिका में चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया। 'विकसित भारत के रंग, कला के संग' थीम पर आधारित इस प्रदर्शनी में प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली और आगरा में हुई चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। प्रदर्शनी में प्रयागराज के कलाकरों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स प्रदर्शित की गईं।

उद्घाटन ललित कला अकादमी, लखनऊ के उपाध्यक्ष गिरीश चन्द्र मिश्रा एवं निरंजन पाण्डा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने प्रदर्शनी को निहारते हुए कहा कि, 'कलाकार समाज का दर्पण होते हैं। उनके द्वारा कैनवास पर उउकेरी गई झलकियाँ विकसित भारत की दिशा में हमारी सोच और संकल्प को और सशक्त बनाती हैं।'

कला विथिका की दीवारों पर सजे कैनवास में जहाँ कहीं उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर थी तो कहीं स्वच्छ भारत, आत्मनिर्भरता और तकनीकी प्रगति का प्रतीकात्मक चित्रण। मुख्य अतिथियों ने कलाकारों की कल्पनाशीलता और रचनात्मकता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब हम सब मिलकर शिक्षा, संस्कृति और विकास के हर क्षेत्र में समग्र प्रयास करेंगे।' इस अवसर पर केंद्र के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

# नगर निगम प्रयागराज में 'शहर जोड़ी कार्यक्रम' के तहत बैठक एवं श्दळ हस्ताक्षर

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज में आज 'शहर जोड़ी कार्यक्रम' के अंतर्गत एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में विशेष सचिव, नगर विकास विभाग उदय भानु त्रिपाठी की विशेष उपस्थिति रही।

बैठक का संयोजन अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र कुमार यादव ने किया। इस अवसर पर सहायक नगर आयुक्त सुदीपशिखा पांडे, एकता शर्मा, एसबीएम एक्सपर्ट नगर विकास विभाग , अड्ड अनमोल, हर्ष जी, दिग्विजय सिंह, राहुल तिवारी सहित नगर निगम की छ्रिं टीम भी मौजूद रही।

बैठक में मुख्य रूप से चायल, सिरसा और हंडिया निकायों की वर्तमान स्वच्छता स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही, इन निकायों की स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग में सुधार लाने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने पर विचार किया गया। बैठक के दौरान नगर निगम प्रयागराज और हंडिया, सिरसा एवं चायल नगर निकायों के बीच एक शर्स्देह्ल्स् द ळर्ह्रीह्ग्हु (श्दळ) पर हस्ताक्षर किए गए। इस श्दळ का उद्देश्य सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से इन निकायों की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना और उनकी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार लाना है।

'शहर जोड़ी कार्यक्रम' के तहत यह पहल न केवल स्वच्छता की दिशा में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगी, बल्कि सामूहिक विकास और साझा जिम्मेदारी का नया मॉडल भी प्रस्तुत करेगी।

# भिवंडी में टोरेंट पॉवर का अनोखा कदम, नवरात्रि अष्टमी पर शुरू हुआ ऑल-विमेन कस्टमर केअर सेंटर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवरात्रि की अष्टमी के शुभ अवसर पर टोरेंट पॉवर ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में खास पहल की है। कंपनी ने अपने पटेल कस्टमर केअर सेंटर (अंजुरफाटा) को पूरी तरह से ऑल-विमेन कस्टमर केअर सेंटर में बदल दिया है। अब इस सेंटर का संचालन फ्रंट डेस्क से लेकर सहयोगी स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों तक, सिर्फ महिला कर्मचारी ही संभाल रही हैं। नवरात्रि को शक्ति की उपासना का पर्व माना जाता है, जिसमें मां दुर्गा और मां काली की आराधना कर स्त्री शक्ति का सम्मान किया जाता है। इसी संदेश को साकार करते हुए टोरेंट पॉवर ने यह पहल की है। कंपनी का कहना है कि यह कदम न केवल कार्यस्थलों को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक प्रयास है, बल्कि महिलाओं की भूमिका और आत्मनिर्भरता को भी मजबूती से सामने लाता है। टोरेंट पॉवर ने कहा, 'महिलाएँ हमारे संगठन का अभिन्न हिस्सा हैं और विभिन्न विभागों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। नवरात्रि अष्टमी के अवसर पर पटेल सेंटर को ऑल-विमेन कस्टमर सेंटर में बदलना महिला कर्मचारियों को समर्पित है और यह हमारे महिला सशक्तिकरण के प्रति वचनबद्धता को दर्शाता है।' भिवंडी में टोरेंट पावर ग्राहकों को भरोसेमंद सेवाएँ देने के लिए पहले से ही 5 कस्टमर केअर सेंटर, 24*7 टोल-फ्री हेल्पलाइन, मोबाइल ऐप, ई-मेल हेल्पलाइन और व्हाट्सऐप सेवा जैसी सुविधाएँ प्रदान करता रहा है। कंपनी का मानना है कि ऑल-विमेन सेंटर की यह पहल ग्राहकों को और बेहतर अनुभव देगी और साथ ही समाज में महिला शक्ति का संदेश भी पहुंचाएगी। ग्राहकों ने इस कदम का स्वागत किया है और महिला कर्मचारियों की दक्षता तथा आत्मविश्वास की सराहना की है। धार्मिक आस्था और कॉरपोरेट जिम्मेदारी को जोड़ते हुए टोरेंट पावर ने यह उदाहरण पेश किया है कि उत्कृष्ट सेवाएँ और सामाजिक सशक्तिकरण दोनों एक साथ संभव हो सकते हैं।

# भिवंडी-निजामपूर मनपा की स्वास्थ्य सेवाएँ सक्रिय, बोगस डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपूर शहर महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग की ओर से नागरिकों को बेहतर उपचार और जागरूकता के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। मनपा क्षेत्र में इस समय एक बीजीपी दवाखाना और 19 नगरीय स्वास्थ्य केंद्र कार्यरत हैं, जहां सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक (साप्ताहिक और सार्वजनिक छुट्टियों को छोड़कर) इलाज और दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

इन स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं की जांच, बच्चों का टीकाकरण, दैनिक ओपीडी, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना, जननी सुरक्षा योजना, परिवार नियोजन कार्यक्रम, संक्रामक रोगों की रोकथाम, मलेरिया सर्वेक्षण, पल्स पोलियो अभियान और अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को लागू किया जा रहा है। इसके अलावा, राष्ट्रीय नागरीय स्वास्थ्य अभियान के अंतर्गत मंजूर 39 स्वास्थ्यवर्धिनी केंद्रों में से 19 केंद्र शहर के अलग-अलग इलाकों में काम कर रहे हैं। इसी प्रकार 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत भिवंडी-निजामपूर मनपा क्षेत्र में 10 'हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना' भी शुरू किए गए हैं, जहां नागरिकों को बाह्यरुग्ण तपासणी और उपचार की सुविधा दी जा रही है। मनपा प्रशासन ने निजी अस्पतालों और मैटरनिटी होम्स की भी बॉम्बे नर्सिंग होम रजिस्ट्रेशन एक्ट 1949 और महाराष्ट्र शुश्रुषागृह नोंदणी नियम 2021 के तहत पंजीकरण अनिवार्य किया है। जुलाई 2025 में बिना पंजीकरण अवैध प्रसूति कर रहे चार लोगों पर कार्रवाई की गई है। बोगस डॉक्टरों के खिलाफ भी मनपा ने मोर्चा खोला है। शासन निर्देशानुसार मनपा आयुक्त की अध्यक्षता में पुनर्विलोकन समिति गठित की गई है, जो 1 से 19 नगरीय स्वास्थ्य केंद्रों के अधिकारियों के जरिए छानबीन कर रही है। जुलाई 2025 में 1 और सितंबर 2025 में 3 मामलों सहित अब तक कुल 74 बोगस डॉक्टरों के खिलाफ महाराष्ट्र मेडिकल प्रैक्टिशनर एक्ट 1961 और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत पुलिस की मदद से मामले दर्ज किए गए हैं। मनपा ने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाओं का लाभ उठाएं और बोगस डॉक्टरों या अपंजीकृत अस्पतालों से किसी भी प्रकार का इलाज न कराएं। यदि कहीं अवैध चिकित्सा व्यवसाय या बिना पंजीकरण अस्पताल संचालित होता दिखाई दे तो उसकी जानकारी तुरंत महानगरपालिका को दें।

# भिवंडी मनपा ने चार सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपूर शहर महानगरपालिका से नियत आयु पूर्ण करने पर चार कर्मचारियों का सेवानिवृत्ति के अवसर पर सम्मानपूर्वक विदाई समारोह आयोजित किया गया। मनपा प्रशासक तथा आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से) के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम मनपा की नई प्रशासनिक इमारत के तीसरे माले पर स्थित सभागृह में सम्पन्न हुआ।

समारोह में सहायक आयुक्त (स्वास्थ्य) शैलेश दोंदे ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल और पुष्पगुच्छ भेंटकर सत्कार किया और उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएँ दीं। जिन कर्मचारियों को सम्मानित किया गया, उनमें शामिल हैं–अश्विनी अनिल पांडव (लिपिक, टेलीफोन ऑपरेटर), दूरध्वनी विभाग,संतोष कृष्णा भोईर (लिपिक), प्रभाग समिति क्र.1, विजय पुंडलिक पवार (इलेक्ट्रिक हेल्पर), विद्युत विभाग और प्रल्हाद सिताराम भगत (सफाई कामगार), प्रभाग समिति क्र.1 शामिल हैं। कार्यक्रम में अतिरिक्त शहर अभियंता सचिन नाइक, मनपा अधिकारी-कर्मचारी, कर्मचारी संघटनाओं के प्रतिनिधि और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

# कल्याण रोड विवादः आज़मी ने संभाला मोर्चा, विधायक रईस शेख नदारद

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में कल्याण रोड चौड़ीकरण को लेकर समाजवादी पार्टी में अंदरूनी मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आज़मी ने व्यापारी संघ और धार्मिक स्थलों के ट्रस्टों के साथ मिलकर पालिका आयुक्त अनमोल सागर से मुलाकात की और धार्मिक स्थलों को सुरक्षित रखने की मांग को मजबूती से रखा।आज़मी ने स्पष्ट किया कि किसी भी कीमत पर मंदिर, मस्जिद, दरगाह, कब्रिस्तान और बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मामले में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से भी चर्चा की है। सपा नेता आज़मी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कुछ नेता दलाल किस्म के लोग भष्टाचार कर यहां डीपीएल प्लान में छेड़छाड़ करवाया और बहुत सारे ज़मीनों को पहले आरक्षित किया गया, बाद में उसका आरक्षण रद्द कर दिया है। इसमें भारी भष्टाचार हुआ है। इसकी एस आईटी जांच करने की मांग की। धार्मिक ट्रस्टियों ने भी आयुक्त को लिखित आदेश जारी करने का निवेदन सौंपा है, जिसमें मांग की गई है कि विकास आराखड़े से धार्मिक स्थलों को बाहर रखा जाए। इस पूरे घटनाक्रम में भिवंडी के सपा विधायक रईस क़ासिम शेख की गैरमौजूदगी ने राजनीतिक हलचल को और तेज कर दिया। प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में जब पूरा संघर्ष खड़ा हुआ, उस समय विधायक की चुप्पी और दूरी साफ नज़र आई। स्थानीय स्तर पर पार्टी की सक्रियता का भार पूरी तरह से आज़मी के कंधों पर दिखाई दिया। धार्मिक ट्रस्टियों ने चेतावनी दी है कि यदि दस दिनों में आयुक्त का लिखित आदेश जारी नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज़ किया जाएगा।

# मध्य रेल विशेष ट्रेनों की अवधि का विस्तार करेगा

## मध्य रेल यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए नीचे दिए गए विवरण के अनुसार विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ाएगाः

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

1. ट्रेन संख्या 01436 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - सोलापुर साप्ताहिक विशेष, जिसे पहले दिनांक 01.10.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब दिनांक 08.10.2025 से 31.12.2025 तक बढ़ा दी गई है। (13 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 01435 सोलापुर - लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 30.09.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब 07.10.2025 से 30.12.2025 तक बढ़ा दी गई है। (13 सेवाएं)

2. ट्रेन संख्या 01461 सोलापुर-दौंड अनारक्षित दैनिक विशेष, जो पहले दिनांक 30.09.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब दिनांक 01.10.2025 से बढ़ाकर 31.12.2025 कर दी गई है। (92 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 01462 दौंड-सोलापुर अनारक्षित दैनिक , जो पहले दिनांक 30.09.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब दिनांक 01.10.2025 से बढ़ाकर दिनांक 31.12.2025 कर दी गई है। (92 सेवाएं)

3. ट्रेन संख्या 01465 सोलापुर-कलबुरगि अनारक्षित दैनिक विशेष, जो पहले दिनांक 30.09.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब दिनांक 01.10.2025 से बढ़ाकर दिनांक 31.12.2025 कर दी गई है। (92 सेवाएं) ट्रेन संख्या 01466 कलबुरगि - सोलापुर अनारक्षित दैनिक विशेष ट्रेन, जो पहले दिनांक 30.09.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब दिनांक 01.10.2025 से दिनांक 31.12.2025 तक बढ़ा दी गई है। (92 सेवाएं) 4. ट्रेन संख्या 01023 पुणे - श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस (कोल्हापुर), दैनिक विशेष ट्रेन, जो पहले दिनांक 30.09.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब दिनांक 01.10.2025 से दिनांक 31.12.2025 तक बढ़ा दी गई है। (92 सेवाएं) ट्रेन संख्या 01024 श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस (कोल्हापुर) - पुणे, दैनिक विशेष ट्रेन, जो पहले दिनांक 30.09.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब दिनांक 01.10.2025 से दिनांक 31.12.2025 तक बढ़ा दी गई है। (92 सेवाएं) 5. ट्रेन संख्या 01211 बडनेरा - नासिक रोड अनारक्षित दैनिक विशेष, जो पहले दिनांक 30.09.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब दिनांक 01.10.2025 से दिनांक 31.12.2025 तक बढ़ा दी गई है। (92 सेवाएं) ट्रेन संख्या 01212 नासिक रोड - बडनेरा जंक्शन अनारक्षित दैनिक विशेष, जो पहले दिनांक 30.09.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब दिनांक 01.10.2025 से दिनांक 31.12.2025 तक बढ़ा दी गई है। (92 सेवाएं) 6. ट्रेन संख्या 01487 पुणे - हरंगुल, दैनिक विशेष, जो पहले दिनांक 30.09.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब दिनांक 01.10.2025 से दिनांक 31.12.2025 तक बढ़ा दी गई है। (92 सेवाएं) ट्रेन संख्या 01488 हरंगुल - पुणे, दैनिक विशेष ट्रेन, जो पहले दिनांक 30.09.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब दिनांक 01.10.2025 से दिनांक 31.12.2025 तक बढ़ा दी गई है। (92 सेवाएं)। नोट-1 ट्रेन संख्या 01437 सोलापुर-धर्मावरम विशेष ट्रेन, जो दिनांक 02.10.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब सोलापुर से अनकापल्ले तक दिनांक 09.10.2025 से दिनांक 27.11.2025 तक विस्तारित कर दी गई है। ट्रेन संख्या 01438 धर्मावरम-सोलापुर विशेष ट्रेन, जो 03.10.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब अनकापल्ले से दिनांक 11.10.2025 से 29.11.2025 तक विस्तारित कर दी गई है। नोट-2 निम्नलिखित ट्रेनों को तत्काल प्रभाव से मुरुड स्टेशन पर ठहराव दिया गया है। ट्रेन संख्या 01436 एलटीटी-सोलापुर एक्सप्रेस 22.04 बजे ट्रेन संख्या 01435 सोलापुर-एलटीटी एक्सप्रेस 18.00 बजे ट्रेन संख्या 01487 पुणे-हरंगुल एक्सप्रेस 11.25 बजे ट्रेन संख्या 01488 हरंगुल-पुणे एक्सप्रेस 15.19 बजे आरक्षणः विशेष ट्रेन संख्या 01435, 01436, 01437, 01024, 01487 और 01488 के विस्तारित सेवाओं की बुकिंग सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर उपलब्ध है।

इस विशेष ट्रेन के ठहराव एवं समय की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

## बरेली में बवाल के 15 आरोपियों को भेजा गया जेल, एक के पैर में गोली मारकर किया गया गिरफ्तार

बरेली। जनपद में हुए बवाल को लेकर प्रशासन लगातार आरोपियों पर शिकंजा सकने का काम कर रही है। आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार कर रही है साथ में बुलडोजर की भी धमक सुनाई दे रही है। बता दें कि मंगलवार को 15 और आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। इनमें छ्ण का जिलाध्यक्ष भी शामिल है। एक आरोपी ताजिम को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। उसके पैर में गोली लगी है। एक नाबालिग आरोपी को भी पकड़ा गया है।

एसपी सिटी ने बताया कि बारादरी क्षेत्र से गिरफ्तार शमशाद आलम आईएमसी का जिलाध्यक्ष है। यह फरीदपुर थाने के वाहनपुर का रहने वाला है। शमशाद मौलाना तौकीर रजा, नदीम और डॉ. नफीस के साथ साजिश बनाने में शामिल रहा। वह व्हाट्सएप ग्रुप व सोशल मीडिया पर सक्रिय रहा था। एसपी सिटी ने बताया कि बवाल के मामले में दर्ज 10 मुकदमों में अब तक 72 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

ताजिम को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में राधा माधव स्कूल के पास मंगलवार को हुई मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लगी है। पुलिस के मुताबिक आरोपी 26 सितंबर को बवाल के दौरान भीड़ में मौजूद था। उसने पुलिस टीम पर फायर किया था। उससे तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं।

# यवनिका थिएटर ग्रुप की तिहरी नाट्य प्रस्तुतियों से यादगार हुई बरसाती शाम

मुंबई।देश की आर्थिक राजधानी और मायानगरी कहलाने वाली मुंबई के प्रभादेवी स्थित प्रमुख सांस्कृतिक सभागार रवीन्द्र नाट्य मंदिर में मौजूद रंगकर्म प्रेमियों ने रविवार, 28 सितम्बर, 2025 की शाम दिलकश नज़ारों का आनंद लूटा। जब सभागार के बाहर मूसलाधार बरसात हो रही थी, तब रवींद्र नाट्य मंदिर का मिनी थिएटर, पुणे के यवनिका थिएटर ग्रुप द्वारा मंचित 'द लाफ्टर ट्रायो' के बेहिसाब ठहाकों की गूंज से प्रफुल्लित हो रहा था। मौसम विभाग द्वारा जारी रेड अलर्ट की कड़ी चेतावनियॉ भी उत्साही रंगप्रेमियों को घरों में रहने के लिए नहीं रोक पाईं और वे प्रकृति के प्रचंड प्रकोप को झेलते हुए, दुनिया के तीन सबसे मज़ेदार एकांकी हास्य नाटकों को देखने और उनका आनंद लेने के लिए सभागार में बड़ी संख्या में उमड़ आये। इन अनूठी तिहरी नाट्य प्रस्तुतियों ने सभी दर्शकों के लिए इस बरसाती शाम को यादगार बना दिया।

पुणे के 'द लाफ्टर ट्रायो' के तीन एकांकी नाटकों, असगर भट्ट के 'छोटे मियाँ', जे.बी. प्रीस्टले के 'द मदर्स डे' और एंटन चेखव के 'द प्रपोज़ल' का हिंदुस्तानी रूपांतरण व निर्देशन सुप्रसिद्ध लेखक एवं रंगकर्मी सेवक नैयर द्वारा किया गया है। प्रत्येक एकांकी अपना विशेष रंग, चरित्र व विषय लिये हुए है, मगर अन्य दोनों नाटकों से काफ़ी भिन्न है। तथापि एक चीज़ जो तीनों एकांकियों को एक सूत्र में बाँधती है, वह है उनकी अत्यंत सामान्य और सर्वमान्य मानवीय परिस्थितियों के प्रस्तुतीकरण द्वारा शुद्धतम वाक्-पटुता और हास्य के माध्यम से अनंत मनोरंजन प्रदान करने की अद्भुत क्षमता।

'छोटे मियाँ' मुख्यतः एक युवा किशोर की कहानी है, जो अपनी असाधारण बुद्धि व चतुराई से सदियों पुरानी उक्ति को पूर्णतः सिद्ध कर दिखाता है किः चाइल्ड इज़ द फादर ऑफ मैन। एकांकी दर्शाती है कि कैसे एक बच्चा अपने मासूम हृदय व सोच से एक वृद्ध व्यक्ति के छल-कपट की पोल बड़ी आसानी से खोल सकता है। एकांकी 'द मदर्स डे', अलौकिकता का पुट लिए है। इसकी मुख्य पात्र, एक माँ है, जो अपने अत्यधिक विनम्र व कृपालु स्वभाव के चलते अपने पति व युवा बच्चों द्वारा बुरी तरह से उपेक्षित व प्रताड़ित की जा रही है। वह अपनी चतुर व दबंग टेरो-कार्ड-रीडर पड़ोसन के साथ व्यक्तित्व का आदान- प्रदान करती है तथा अपने असभ्य एवं अहंकारी परिवार को सबक सिखाने में कामयाब होती है। यह नाटक हमारे समाज में व्याप्त घरेलू दुर्व्यवहार के प्रासंगिक मुद्दों को बड़ी सरलता से उजागर करता है। 'द प्रपोज़ल' एक विशुद्ध प्रहसन है, जो पुरुष और महिला नायक के बीच, विवाह के शुभ-प्रस्ताव के समय पर भी, बंजर ज़मीन के एक छोटे से टुकड़े या उनके कुत्तों की नस्ल जैसे मामूली मुद्दों पर उनमें अज़ीबोगरीब लेकिन बेहद दिलचस्प मुर्गों की लड़ाई के ज़रिये सिद्ध करता है कि कैसे हम सब अक्सर अपनी खुशियों की बाली अपने झूठे अहंकार की वेदी पर हँसते- हँसते चढ़ा देते हैं। इन विभिन्न नाट्य प्रस्तुतियों में ऋषभ नैयर, ऋचा भट्टाचार्य और सीमा आज़मी के अलावा अन्य कलाकारों के उत्कृष्ट व मंझे हुए अभिनय के साथ-साथ, राघव नैयर (14), नोरा भट्टाचार्य (15) और शौर्य भट्टाचार्य (20) के शानदार अभिनय ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया ।

# रिंकू हुड्डा ने विश्व रिकॉर्डधारी गुर्जर को हराकर एफ46 भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रिंकू हुड्डा ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन सोमवार को पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में विश्व रिकॉर्डधारी हमवतन सुंदर सिंह गुर्जर को पछाड़ कर स्वर्ण पदक जीता। गुर्जर को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। रिंकू ने 66.37 मीटर भाला फेंककर अपना पहला विश्व चैंपियनशिप खिताब जीता जबकि गुर्जर ने 64.76 मीटर भाला फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया।

इस स्पर्धा में शामिल एक अन्य भारतीय अजीत सिंह 61.77 मीटर की दूरी के साथ चौथे स्थान पर रहे। क्यूबा के गिलर्मो वरोना गोंजालेज ने 63.34 मीटर भाला फेंक कर कांस्य पदक अपने नाम किया। एफ46 श्रेणी उन लोगों के लिए है जिनकी एक या दोनों भुजाओं की गतिविधि मामूली रूप से प्रभावित है या जिनका एक हाथ नहीं हैं। इसके खिलाड़ी खड़े होकर प्रतिस्पर्धा करते हैं। इस चैंपियनशिप में अब के भारत की पदकों की संख्या पांच (दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक) हो गयी हैं।

भारत पदक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गया है, जिसमें चीन (चार स्वर्ण, सात रजत, तीन कांस्य) पहले स्थान पर है। ब्राजील (चार स्वर्ण, सात रजत, दो कांस्य), पोलैंड (चार स्वर्ण, चार कांस्य), स्विट्जरलैंड (तीन स्वर्ण, एक कांस्य) और नीदरलैंड (तीन स्वर्ण) क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

रिंकू ने स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, '' यह भारत में मेरी पहली प्रतियोगिता है। मैदान पर मुझे अच्छा लग रहा था। आज मेरा दिन था, इसलिए सब कुछ मेरे पक्ष में था। मैंने जो किया वह मेरे लिए एक नया अनुभव था।'' हरियाणा के रोहतक के बाहरी इलाके में स्थित धमार गांव के एक किसान परिवार में जन्मे रिंकू का बायां हाथ खेत में खेलते समय धान बोने वाली मशीन में फंस गया था। उन्हें यह घटना याद नहीं है, लेकिन उनके माता-पिता ने उन्हें आठ साल की उम्र में इसके बारे में बताया था।

उन्होंने जकार्ता में 2018 एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक, 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक और हांग्झोउ' में 2023 एशियाई पैरा खेलों में भी रजत पदक जीता।

इससे पहले दिन के सत्र में तटस्थ पैरालंपिक एथलीट (एनपीए) डेनिस ग्नजडिलोव ने एफ40 गोला फेंक में दो बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के साथ स्वर्ण पदक जीता।

रूस के 38 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपने शुरुआती प्रयास में 10.66 मीटर की दूरी हासिल की लेकिन इसके बाद के उनके चारों प्रयास स्वर्ण पदक के लिए काफी थे। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 11.85 मीटर की दूरी के साथ पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता पुर्तगाल के मिगुएल मोंटेइरो के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा और फिर अपने पांचवें प्रयास में इसमें सुधार करते हुए 11.92 मीटर की दूरी हासिल की।

तोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता ग्नजडिलोव का यह तीसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब है। यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस और बेलारूस पर प्रतिबंध के कारण इन दोनों देशों के खिलाड़ी एनपीए के तहत प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। छोटे कद के खिलाड़ियों की इस स्पर्धा में पुर्तगाल के मिगुएल मोंटेइरो (11.31 मीटर) और इराक के गर्राह तनायश (10.86 मीटर) ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों की गोला फेंक एफ53 फाइनल में पोलैंड के बार्टोस्ज गोरजाक ने 8.67 मीटर का थ्रो करके मीट रिकॉर्ड को अपने नाम किया। महिलाओं के चक्का फेंक एफ44 फाइनल में मैक्सिको की ओसिरिस एनेथ माचाडो ने 44.36मीटर के थ्रो के साथ चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। फौस्टिना कोटलोव्स्का ने महिलाओं की चक्का फेंक एफ 64 स्पर्धा में पोलैंड को दिन का दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया।

## शाकिब हसन का करियर संकट में, खेल सलाहकार बोले- दोबारा नहीं पहन पाएंगे बांग्लादेशी जर्सी

ढाका। बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने ऐलान किया है कि स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन अब राष्ट्रीय टीम के लिए दोबारा नहीं खेलेंगे। विवाद तब शुरू हुआ जब शाकिब ने सोशल मीडिया पर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

आसिफ ने आरोप लगाया कि शाकिब अवामी लीग की राजनीति में गहराई से जुड़े हुए हैं और कहा, 'हम उन्हें बांग्लादेश का झंडा उठाने की इजाजत नहीं देंगे। बीसीबी को मेरा स्पष्ट निर्देश है कि शाकिब अब कभी राष्ट्रीय टीम का हिस्सा नहीं बनेंगे।' शाकिब ने सफाई दी कि उनका संदेश सिर्फ एक पुराने रिश्ते के नाते था और राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा, 'मैंने हसीना जी को क्रिकेट के जरिए हमेशा जाना है और शुभकामनाएं देने का यही उद्देश्य था।' शाकिब पिछले साल अवामी लीग के सांसद रहे थे, लेकिन सरकार गिरने के बाद से वह टीम से बाहर हैं। पिछले 12 महीनों से उन्हें बांग्लादेश टीम में जगह नहीं मिली, हालांकि वे फ्रेंचाइजी लीग में खेलते रहे हैं।

## योगेश कथुनिया ने फिर दिखाया दम लगातार तीसरे साल भारत को दिलाया पदक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का रोमांच अपने चरम पर रहा। भारत के स्टार पैरा एथलीट और दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता योगेश कथुनिया ने एक बार फिर देश का मान बढ़ाते हुए पुरुषों की डिस्कस थ्रो इ56 स्पर्धा में रजत पदक जीता। 28 वर्षीय कथुनिया ने 42.49 मीटर का शानदार थ्रो किया और लगातार तीसरे साल इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में रजत हासिल कर इतिहास रच दिया।

कथुनिया की इस उपलब्धि की खासियत यह है कि यह उनका लगातार तीसरा रजत पदक है। उन्होंने 2023 (फ्रांस) और 2024 (जापान) में हुए विश्व चैंपियनशिप संस्करणों में भी रजत पदक जीते थे। इस बार भी वह ब्राज़ील के अनुभवी एथलीट क्लॉडनी बतिस्ता से पीछे रहे, जिन्होंने 45.67 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, ग्रीस के कॉन्स्टेंटिनोस त्ज़ोनिस ने 39.97 मीटर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। दिलचस्प बात यह है कि टोक्यो 2020 पैरालंपिक और पेरिस 2023 विश्व चैंपियनशिप में भी कथुनिया बतिस्ता के बाद ही दूसरे स्थान पर रहे थे।

योगेश कथुनिया का सफर बेहद प्रेरणादायक है। नौ साल की उम्र में उन्हें गुइलेन-बैरे सिंड्रोम, एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल स्थिति, हो गई थी। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और 2017 में कॉलेज के दिनों से पैरा स्पोर्ट्स में कदम रखा। देखते ही देखते वह भारत के सबसे भरोसेमंद डिस्कस थ्रो एथलीट बन गए और अब उनके खाते में दो पैरालंपिक रजत और तीन विश्व चैंपियनशिप रजत पदक शामिल हैं।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 भारत के लिए शानदार साबित हो रही है। अब तक भारतीय खिलाड़ियों ने छह पदक अपने नाम किए हैं, दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य। सोमवार का दिन तो भारतीय एथलेटिक्स के लिए यादगार बन गया।

योगेश कथुनिया की लगातार पदक जीत भारत की पैरा एथलेटिक्स ताकत को दर्शाती है। रिंकू और सुंदर जैसे एथलीटों की सफलता ने भी यह साबित कर दिया है कि भारत आने वाले समय में इस खेल की बड़ी ताकत बनकर उभर सकता है। देश के इन जांबाज़ एथलीटों ने न केवल पदक जीते हैं बल्कि पूरे देश को गर्व करने का मौका दिया है।

## चाइना ओपन : यानिक सिनेर ने फाइनल में बनाई जगह, हार्डकोर्ट पर लगातार नौवां फाइनल खेलेंगे

बीजिंग। चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर ने एलेक्स डि मिनौर को 6-4, 3-6, 6-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। यह हार्डकोर्ट पर उनका लगातार नौवां फाइनल है, जो उनके शानदार फॉर्म का सबूत है। अब फाइनल में सिनेर का सामना दानिल मेदवेदेव और उभरते खिलाड़ी लर्नर टियेन के बीच होने वाले सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गाफ ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेंचिच को 4-6, 7-6, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गाफ ने शुरुआती सेट गंवाने के बावजूद जबरदस्त वापसी करते हुए टाईब्रेकर जीता और निर्णायक सेट में दबदबा बनाया। इस जीत के साथ बेंचिच के खिलाफ उनका करियर रिकॉर्ड 4-2 हो गया है।

टूर्नामेंट के आगे के चरणों में अब टॉप सीड खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने की उम्मीद है, खासकर सिनेर और मेदवेदेव की संभावित भिड़ंत पर सभी की नजरें टिकी हैं।

## जिंदल स्टील का बड़ा कदम! 20000 करोड़ के विस्तार में नया बीओएफ चालू, क्षमता बढ़ी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जिंदल स्टील ने ओडिशा के अंगुल में जारी 20, 000 करोड़ रुपये से अधिक की विस्तार परियोजना के तहत 3एमटीपीए क्षमता की बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीओएफ) को चालू करने की मंगलवार को घोषणा की। जिंदल स्टील ने बयान में कहा कि नए बीओएफ की स्थापना के साथ संयंत्र की कच्चे इस्पात बनाने की क्षमता 60 लाख टन प्रति वर्ष से बढ़कर नौ 90 लाख टन प्रति वर्ष हो गई है। एक बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीओएफ) गैसीय ऑक्सीजन का उपयोग करके पिघले हुए लोहे या गर्म धातु को इस्पात में तब्दील करती है। जिंदल स्टील के चेयरमैन नवीन जिंदल ने कहा, '' नया बीओएफ अब चालू हो गया है और पहली ऊष्मा का सफलतापूर्वक दोहन कर लिया गया है। एक अलग घटना में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को आरोप लगाया कि बीसी जिंदल समूह की कंपनियों और उसके प्रवर्तकों ने ''फर्जी लेनदेन'' के जरिये करीब 505 करोड़ रुपये भारत से बाहर भेजे। केंद्रीय एजेंसी ने दिल्ली स्थित बिजली क्षेत्र के प्रमुख कारोबारी समूह, प्रवर्तक श्याम सुंदर जिंदल, उसके निदेशकों और अन्य पदाधिकारियों के कुल 13 परिसरों पर 18-19 सितंबर के दौरान विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की थी। कंपनी या उसके प्रवर्तकों से टिप्पणी के लिए तुरंत संपर्क नहीं किया जा सका। एजेंसी ने एक बयान में दावा किया कि बी सी जिंदल समूह की इकाइयों,



खासकर जिंदल इंडिया थर्मल पावर लिमिटेड (जेआईटीपीएल), जिंदल इंडिया पावरटेक लिमिटेड और जिंदल पॉली फिल्म्स लिमिटेड द्वारा विदेशी निवेश और अपनी विदेशी संस्थाओं में धन छुपाकर रखने तथा 'राउंड ट्रिपिंग' (धनराशि को इधर से उधर भेजने) के लिए फेमा के संदिग्ध उल्लंघन के लिए यह छापेमारी की गई। समूह का लाभकारी स्वामित्व श्याम सुंदर जिंदल, उनकी पत्नी शुभद्रा जिंदल और पुत्र भावेश जिंदल के पास है। जांच एजेंसी ने कहा कि तीनों पर ईडी ने आरोप लगाया है कि उन्होंने एक अन्य विदेशी संस्था गार्नेट एंटरप्राइज डीएमसीसी (जीईडी) की शेयरधारिता हासिल करने के लिए भारत से बाहर अपनी विदेशी संस्था टोपाज एंटरप्राइज डीएमसीसी, दुबई को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (ओडीआई) की आड़ में 505.14 करोड़ रुपये भेजे।

## सरकार का आ गया फैसला, पीपीएफ सुकन्या समेत के ब्याज दरों का ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सरकार ने मंगलवार को एक अक्टूबर, 2025 से शुरू होने वाली तिमाही के लिए पीपीएफ और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र सहित विभिन्न लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। यह लगातार सातवीं तिमाही है जब लघु बचत योजनाओं के लिए ब्याज दरों को यथावत रखा गया है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, ''वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (एक अक्टूबर, 2025 से 31 दिसंबर, 2025) के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (एक जुलाई, 2025 से 30 सितंबर, 2025) के लिए अधिसूचित दरों पर बनी रहेंगी।''

अधिसूचना के अनुसार, सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी, जबकि तीन साल की सावधि जमा पर ब्याज चालू तिमाही में मौजूदा 7.1 प्रतिशत पर बरकरार रहेगा। नौकरीपेशा में लोकप्रिय लोक भविष्य निधि (पीपीएफ) और डाकघर बचत जमा योजनाओं की ब्याज दरें भी क्रमशः 7.1 प्रतिशत और चार प्रतिशत पर बरकरार हैं। किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी और निवेश 115 महीनों में परिपक्व होगा। राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर ब्याज दर अक्टूबर-दिसंबर 2025 की अवधि के लिए 7.7 प्रतिशत पर बनी रहेगी। जुलाई-सितंबर तिमाही की तरह, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान भी मासिक आय योजना में निवेश पर 7.4 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। इसके साथ ही, मुख्य रूप से डाकघरों और बैंकों द्वारा संचालित लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को लगातार सातवीं तिमाही में अपरिवर्तित रखा गया है। सरकार ने पिछली बार 2023-24 की चौथी तिमाही के लिए कुछ योजनाओं के ब्याज में बदलाव किए थे। सरकार हर तिमाही लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों की अधिसूचना जारी करती है।

## ऐश्वर्या पिस्से ने रचा इतिहास, डब्ल्यू2आरसी पुर्तगाल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय मोटरस्पोर्ट्स का नाम अब दुनिया के सबसे कठिन रैली-रेड टूर्नामेंट में चमक रहा है। बेंगलुरु की 29 वर्षीय राइडर ऐश्वर्या पिस्से ने पुर्तगाल में खेले गए एफआईएम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप (डब्ल्यू2आरसी) 2025 के चौथे राउंड में शानदार उपलब्धि हासिल की। उन्होंने रैली2 - महिला वर्ग में खिताब जीतकर न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया की पहली महिला विजेता बनने का गौरव पाया। यह जीत ऐश्वर्या के लिए व्यक्तिगत सफलता से कहीं अधिक है–यह आने वाली पीढ़ी की महिलाओं को सपनों को हकीकत में बदलने की प्रेरणा देती है।

बीपी अल्टीमेट रैली-रेड पुर्तगाल अपने कठोर ट्रैक और लंबी दूरी के कारण मशहूर है। इस प्रतियोगिता में राइडर्स को छह दिनों तक 2, 000 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी, जिसमें 1, 225 किलोमीटर प्रतिस्पर्धी चरण शामिल थे। रास्ते पूरी तरह बजरी वाले थे और पुर्तगाल व स्पेन की चुनौतीपूर्ण भूमि से होकर गुजरते थे। इन कठिन हालातों में ऐश्वर्या ने न केवल अपनी कैटेगरी में शीर्ष स्थान पाया, बल्कि कुल मिलाकर 27वां स्थान हासिल किया, यह किसी भी भारतीय महिला राइडर के लिए अभूतपूर्व सफलता है।

रैली-रेड को दुनिया की सबसे कठिन रेसिंग सीरीज़ माना जाता है। एक प्राइवेटियर के तौर पर भाग लेने वाली ऐश्वर्या की सफलता उनकी दृढ़ता और आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण है। टीवीएस रेसिंग और अन्य भागीदारों के सहयोग से उन्होंने यह दिखा दिया कि सही हौसला और मेहनत से अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह बनाई जा सकती है। आज वे न सिर्फ भारत बल्कि पूरे एशिया की महिला राइडर्स के लिए रोल मॉडल बन चुकी हैं। जीत के बाद ऐश्वर्या ने कहा, 'यह पल मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस स्तर पर एशिया और भारत की पहली महिला विजेता बनना केवल मेरी जीत नहीं, बल्कि उन सभी लड़कियों के लिए संदेश है जो बड़े सपने देखती हैं।' उनकी यह बात साफ करती है कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत गौरव नहीं बल्कि सामाजिक बदलाव की प्रेरणा भी है। पुर्तगाल की यह सफलता ऐश्वर्या के अगले बड़े लक्ष्य की ओर एक मजबूत कदम है। वह डकार रैली 2027 में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं, जहाँ उनका सपना दो पहियों पर इसे पूरा करने वाली पहली भारतीय महिला बनने का है। पुर्तगाल में मिली जीत ने उन्हें अमूल्य अनुभव, आत्मविश्वास और गति प्रदान की है। अब वे और मजबूती से दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित रैली में भारतीय तिरंगा लहराने की तैयारी में जुटी हैं।

## सरकार ने निर्यात उत्पादों पर शुल्क, करों की वापसी योजना अगले साल मार्च तक बढ़ाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्र सरकार ने मंगलवार को 'निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की वापसी' (आरओडीटीईपी) योजना को छह महीने के लिए बढ़ाकर 31 मार्च, 2026 तक कर दिया। निर्यातकों को राहत देने के लिए लाई गई यह योजना 30 सितंबर, 2025 को समाप्त होने वाली थी। जनवरी, 2021 में शुरू हुई आरओडीटीईपी योजना के तहत निर्यातकों को उन करों, शुल्कों और उपकरों को वापस कर दिया जाता है जो विनिर्माण एवं वितरण प्रक्रिया के दौरान लगते हैं और केंद्र, राज्य या स्थानीय स्तर पर अन्य किसी व्यवस्था से उनकी वापसी नहीं होती है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि घरेलू सीमा-शुल्क क्षेत्र के अलावा अग्रिम प्राधिकार धारकों, विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) और निर्यात-उन्मुख इकाइयों (ईओयू) को भी मार्च 2026 तक योजना का लाभ मिलता रहेगा। योजना के तहत संशोधित दरें यथावत लागू रहेंगी। वर्तमान में कर वापसी की दरें विभिन्न निर्यात उत्पादों के लिए 0.3 प्रतिशत से 3.9 प्रतिशत तक हैं। भारतीय निर्यातकों का शीर्ष निकाय फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा, ''समय सीमा को आगे बढ़ाने का यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब वैश्विक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण बनी हुई हैं। इसने निर्यातकों के सामने बनी अनिश्चितता को दूर किया है जिससे उन्हें आत्मविश्वास के साथ निर्यात योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी।'' रल्हन ने कहा कि योजना ने भारतीय निर्यात को प्रतिस्पर्धी बनाने में अहम भूमिका निभाई है और इसका आगे भी जारी रहना मौजूदा वैश्विक व्यापार परिदृश्य में गति बनाए रखने के लिए आवश्यक है। आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में भारत का निर्यात 6.7 प्रतिशत बढ़कर 35.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि आयात 10.12 प्रतिशत घटकर 61.59 अरब डॉलर रह गया। अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 50 प्रतिशत का शुल्क लगने से भारतीय उत्पादों की बिक्री पर दबाव पहले से ही बना हुआ है।

## टॉम क्रूज से तलाक के बाद अब कीथ अर्बन से भी हुईं अलग निकोल किडमैन, खत्म हुआ दो दशक का साथ

हॉलीवुड और संगीत जगत की सबसे चर्चित जोड़ियों में से एक, निकोल किडमैन और कीथ अर्बन लगभग दो दशक की शादी के बाद अलग हो गए हैं। इस खबर की पुष्टि बीबीसी से बात करने वाले एक सूत्र ने की है। जून 2006 में शादी करने वाले इस पावर कपल की दो बेटियां संडे रोज (17) और फेथ मार्गरेट (14) हैं। दोनों ही कलाकारों के प्रतिनिधियों ने अब तक इस अलगाव पर कोई भी सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया है। यह खबर सबसे पहले मनोरंजन वेबसाइट टीएमजेड ने प्रकाशित की थी, जिसके सूत्रों ने दावा किया था कि यह जोड़ा गर्मियों से ही अलग रह रहा था। सूत्रों के अनुसार, किडमैन इस अलगाव के पक्ष में नहीं थीं। बीबीसी के सूत्र ने इस जानकारी की पुष्टि की है, हालांकि, उनके अलग होने के विशिष्ट कारण का खुलासा अभी तक नहीं हुआ है।

ऑस्ट्रेलिया से जुड़े इस हाई-प्रोफाइल जोड़े ने अपनी 18 साल की शादी के दौरान कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। सार्वजनिक रूप से, किडमैन और अर्बन अक्सर पुरस्कार समारोहों और प्रीमियर में एक-दूसरे का खुलकर समर्थन करते नजर आते थे, जिसने उनकी मजबूत सार्वजनिक साझेदारी को दर्शाया। उनके रिश्ते में शुरुआती दौर में एक बड़ी चुनौती आई जब शादी के कुछ ही महीनों बाद, अर्बन को नशीली दवाओं और शराब की लत के इलाज के लिए एक पुनर्वास केंद्र में भर्ती होना पड़ा। अर्बन ने इसे जिंदगी बदल देने वाला पल बताया और किडमैन तथा उनके दोस्तों द्वारा किए गए हस्तक्षेप की प्रशंसा की। इस मुश्किल दौर पर विचार करते हुए, अर्बन ने 2010 में 'द ओपरा विनफ्रे शो' में कहा था, 'मेरा मानना है कि सब कुछ बस उस पल के लिए ही रचा गया था जब हम एक साथ मिल जाएंगे।' अर्बन ने हमेशा किडमैन के सकारात्मक प्रभाव को स्वीकार किया। उन्होंने एक बार कहा था, 'अब जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो महसूस करता हूं कि निक ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है, मेरे जीवन में बहुत कुछ लाया है और कई मायनों में मेरी आंखें खोली हैं।' इस अलगाव की खबरों के बावजूद, यह जोड़ा हाल ही में सार्वजनिक रूप से साथ दिखाई दिया था। उन्हें आखिरी बार जून में नैशविले, टेनेसी में एक फीफा क्लब विश्व कप मैच में देखा गया था। इससे पहले मई में भी, जब अर्बन को एसीएम ट्रिपल क्राउन पुरस्कार मिला था, तब दोनों की तस्वीरें एक-दूसरे का हाथ थामे और करीब दिखाई दी थीं।

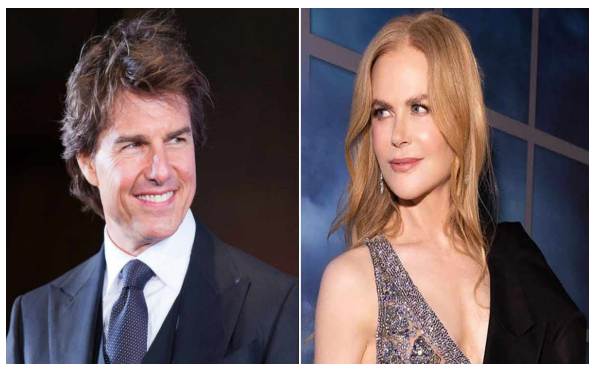



निकोल किडमैन की पहले अभिनेता टॉम क्रूज से भी एक दशक से अधिक समय तक शादी हुई थी, जो 2001 में खत्म हुई। क्रूज के साथ उनके दो और बच्चे हैं।

## पेरिस फैशन वीक में ऐश्वर्या राय की धमाकेदार वापसी सिमोन एश्ले संग सेल्फी से मचाया तहलका

ऐश्वर्या राय बच्चन ने पेरिस फैशन वीक में कॉस्मेटिक दिग्गज लॉरियल का प्रतिनिधित्व करते हुए रैंप वॉक किया। गुरु अभिनेत्री ने मशहूर डिज़ाइनर मनीष मल्होत्रा द्वारा डिज़ाइन की गई भारतीय शेरवानी में एक दमदार उभयलिंगी अंदाज़ में अपनी छाप छोड़ी। ऐश्वर्या ने 29 सितंबर को पेरिस के होटल डे विले में पेरिस फैशन वीक के विमेन रेडी-टू-वियर स्प्रिंग-समर 2026 कलेक्शन के तहत लॉरियल पेरिस शो 'लिबर्टे, एगलाइट, सोरोराइट (स्वतंत्रता, समानता, सिस्टरहुड)' के लिए रैंप वॉक किया। जैसे ही वीडियो वायरल हुए, इस रैंप क्वीन को खूब तारीफें मिलीं।

ऐश्वर्या राय बच्चन ने पेरिस फैशन वीक 2025 में अपनी शानदार वापसी के साथ एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें रनवे की सदाबहार रानी क्यों कहा जाता है। एक वैश्विक सौंदर्य ब्रांड की एंबेसडर के रूप में, ऐश्वर्या ने हॉलीवुड की शीर्ष सितारों और अंतरराष्ट्रीय सुपरमॉडल्स के साथ रैंप वॉक किया। चमकदार हीरे जड़ित काले रंग के आकर्षक परिधान में पूर्व मिस वर्ल्ड बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अपनी खास स्टाइल के साथ, ऐश्वर्या ने इस परिधान को अपने खास लाल होंठों के साथ पेयर किया।

अपने शानदार वॉक के बाद, ऐश्वर्या मंच पर अन्य हस्तियों के साथ शामिल हुईं और यादगार पलों के साथ शाम को रोशन कर दिया। उनके आने का उत्साह और



भी पहले शुरू हो गया था, जब शो से कुछ घंटे पहले 'ब्रिजर्टन' स्टार सिमोन एश्ले के साथ उनकी एक बिहाइंड द सीन सेल्फी वायरल हो गई थी। दोनों सितारे, काले रंग के आकर्षक परिधान पहने, रनवे की तैयारी करते हुए अपने वैनिटी स्पेस में पोज़ देते हुए दिखाई दिए। सिमोन ने इंस्टाग्राम पर यह तस्वीर शेयर की, जो सोशल मीडिया पर तेज़ी से ट्रेंड कर रही थी।

अपनी बेटी आराध्या बच्चन के साथ, ऐश्वर्या वैश्विक फैशन और फिल्म कार्यक्रमों में नियमित रूप से मौजूद रहती हैं। काम की बात करें तो, ऐश्वर्या को आखिरी बार मणिरत्नम की फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन छ' में देखा गया था, जिसमें विक्रम, कार्थी, त्रिशा कृष्णन, शोभिता धुलिपाला और जयराम जैसे कलाकार भी थे।

### 'जातिवादियों के दिल पर सांप लोट रहा'

# अमित शाह, जेपी नड्डा और उपेंद्र कुशवाहा से मुलाकात के बाद विरोधियों पर पवन सिंह का तंज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा से निष्कासित होने के एक साल से अधिक समय बाद, भोजपुरी अभिनेता और गायक पवन सिंह ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से राष्ट्रीय राजधानी में उनके आवास पर मुलाकात की। यह पूछे जाने पर कि क्या वह फिर से भाजपा में शामिल होंगे, सिंह ने कहा, 'हम कब अलग हुए? हम साथ हैं।' पवन सिंह ने अमित शाह, जेपी नड्डा और उपेंद्र कुशवाहा संग मीटिंग की तस्वीरें शेयर करते हुए विपक्ष पर तंज भी कसा है।

पवन सिंह ने एक्स पर लिखा कि जातिवादी राजनीति के पोषकों के दिल पे आज ई फोटो देख के साँप लोट रहा होगा। लेकिन जिनके दिल में विकसित बिहार का सपना बसता है, वो कब तक एक दूसरे से दूर रह सकते है। आज हमारे माननीय गृह मंत्री अमित शाह और हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, उपेंद्र कुशवाहा जी से मुलाक़ात हुई और उन्होंने दिल से आशीर्वाद दिया। मोदी जी और नीतीश जी के सपनों का बिहार बनाने में आपका बेटा पवन पूरा पावर लगाएगा।

गौरतलब है कि यह यात्रा बिहार विधानसभा चुनावों से पहले हो रही है, जो इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है। पवन सिंह भारतीय जनता पार्टी के सदस्य थे, लेकिन 2024 में उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। भाजपा ने उन्हें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार की अवहेलना करते हुए

काराकाट लोकसभा क्षेत्र में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए निष्कासित कर दिया था। 2024 के लोकसभा चुनावों में, पवन सिंह ने काराकाट सीट से स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने की घोषणा की थी, जिसके कारण उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। इससे पहले, भाजपा ने सिंह को पश्चिम बंगाल के आसनसोल निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया था; हालाँकि, उन्होंने आसनसोल सीट से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। सिंह को आसनसोल में टीएमसी के शत्रुघ्न सिन्हा का मुकाबला करने के लिए उम्मीदवार के रूप में माना जा रहा था, लेकिन अपने विवादास्पद संगीत वीडियो और फिल्मों को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की तीखी प्रतिक्रिया के कारण उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया।

# पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर जोर : सीएम नायडू ने सीतारमण से पूर्वोदय योजना के लिए माँगा विशेष फंड

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर केंद्र सरकार से पूर्वोदय योजना के तहत राज्य को वित्तीय सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पूर्वी राज्यों के समग्र विकास के लिए केंद्र द्वारा शुरू की गई पूर्वोदय योजना के तहत बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश को पहले ही प्रमुख लाभार्थियों के रूप में पहचाना जा चुका है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि, औद्योगिक और बुनियादी ढाँचे के विकास को बढ़ावा देकर पूर्वी क्षेत्रों की आर्थिक क्षमता को उजागर करना है, जिससे क्षेत्रीय असमानताओं को कम किया जा सके और समावेशी विकास को बढ़ावा मिले। संतुलित विकास की

आवश्यकता पर बल देते हुए, मुख्यमंत्री नायडू ने बताया कि राज्य सरकार ने क्षेत्रीय प्रगति के लिए योजना के धन का प्रभावी ढंग से उपयोग करने हेतु व्यापक योजनाएँ तैयार की हैं।

अपने दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए, मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्री सीतारमण को बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य रायलसीमा में बागवानी को बढ़ावा देना, उत्तरी आंध्र में कॉफ़ी बागानों, काजू और नारियल के खेतों का विस्तार करना और तटीय आंध्र में जलीय कृषि गतिविधियों को मज़बूत करना है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि पूर्वोदय के तहत इन परियोजनाओं के लिए लक्षित वित्त पोषण से न केवल उत्पादकता में सुधार होगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार सृजन और आय का स्तर भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री नायडू ने विशेष रूप से रेखांकित किया कि इस योजना का कार्यान्वयन उत्तरी आंध्र और रायलसीमा जैसे पिछड़े क्षेत्रों के उत्थान में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाएगा, जो ऐतिहासिक रूप से औद्योगिक और आर्थिक विकास के मामले में पिछड़े रहे हैं। वित्त मंत्री के साथ अपनी बैठक के अलावा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री सीआईआई के कर्टेन-रेजर साझेदारी शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे, जहाँ उनसे राज्य में निवेश के अवसरों की रूपरेखा तैयार करने और नवंबर में विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले सीआईआई के भव्य शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए निवेशकों को आमंत्रित करने की उम्मीद है।

# बिहार चुनाव की बिछी बिसात! अंतिम वोटर लिस्ट जारी, अगले हफ्ते तारीखों का हो सकता है ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत निर्वाचन आयोग ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मंगलवार को अपनी वेबसाइट पर अंतिम मतदाता सूची अपलोड कर दी। एक अधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के आलोक में, 30 सितंबर, 2025 की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। कोई भी मतदाता https://voters.eci.gov.in लिंक के माध्यम से मतदाता सूची में अपने नाम का विवरण देख सकता है।

चुनाव आयोग (ईसी) ने कहा कि विशेष गहन संशोधन के मद्देनजर, अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर, 2025 को प्रकाशित की गई है। कोई भी मतदाता दिए गए लिंक के माध्यम से मतदाता सूची में अपने नाम का विवरण देख सकता है। सटीक संख्याओं के बारे में और जानकारी तुरंत उपलब्ध नहीं थी। चुनाव आयोग के वेबलिंक पर दो मुख्य विकल्प दिए गए थेः मतदाता सूची में अपना नाम खोजें, या विधानसभा क्षेत्रवार मतदाता सूची डाउनलोड करें। मतदाता सूची का पिछला मसौदा 1 अगस्त को प्रकाशित हुआ था और 1 सितंबर तक व्यक्तियों और राजनीतिक दलों द्वारा 'दावों और आपत्तियों' के लिए खुला था। मसौदा सूची में कुल 7.24 करोड़ मतदाता सूचीबद्ध थे।

सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम अगले सप्ताह घोषित होने की संभावना है। चुनाव का पहला चरण अक्टूबर के अंत में छठ पर्व के तुरंत बाद होने की संभावना है। बिहार और कुछ विधानसभा उपचुनावों के लिए कुल 470 पर्यवेक्षक तैनात किए जा रहे हैं। 3 अक्टूबर को यहाँ सामान्य, पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों की एक ब्रीफिंग भी आयोजित की जाएगी। 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। बिहार में पिछला विधानसभा चुनाव कोविड-19 महामारी के साये में तीन चरणों में हुआ था। 22 वर्षों के अंतराल के बाद मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के समापन के बाद बिहार की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जा रही है।

# पैगंबर पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में हंगामा, युवक को हिरासत में लिया

देहरादून। सोशल मीडिया पर पैगंबर मोहम्मद पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में शहर के पटेलनगर क्षेत्र में लोगों ने जमकर हंगामा किया जिसके बाद पुलिस ने इस संबंध में एक युवक को तत्काल हिरासत में लेते हुए हालात को काबू में किया। पुलिस ने बताया कि घटना सोमवार देर रात हुई। पुलिस के अनुसार, 19 वर्षीय युवक गुलशन सिंह द्वारा कथित तौर पर पैगंबर मोहम्मद पर आपत्तिजनक टिप्पणी वाला एक स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया जिसके विरोध में एक समुदाय विशेष के लोग पटेलनगर क्षेत्र में एकत्रित होकर हंगामा करने लगे। उसने बताया कि धीरे-धीरे भीड़ बढ़ने लगी और कुछ लोगों ने उपद्रव कर हालात बिगाड़ने की कोशिश भी की जिसके बाद हालात को काबू में करने के लिए हल्का लाठीचार्ज कर लोगों को तितर-बितर किया गया। पुलिस ने बताया कि शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए संपूर्ण क्षेत्र में पुलिस ने सघन तलाशी ली और क्षेत्र में समुचित पुलिस बल तैनात किया गया है। बाजार पुलिस चौकी के प्रभारी प्रमोद शाह ने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज किया और गुलशन को पूछताछ हेतु हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया से कथित आपत्तिजनक टिप्पणी वाले स्क्रीनशॉट को हटवा दिया गया। फिलहाल पटेलगनर क्षेत्र में रहने वाला गुलशन मूलतः उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले का रहने वाला है। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने कहा कि माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, "सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने वाले व अराजकता फैलाने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# अनिल अंबानी की रिलायंस इन्फ्रा पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, करोड़ों के हेर-फेर की आशंका

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मुख्यालय ने मंगलवार को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत कथित अवैध विदेश प्रेषण के सिलसिले में छापेमारी की। जाँच अनिल अंबानी की रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड पर केंद्रित है। ईडी इस मामले की जाँच के तहत इंदौर और मुंबई स्थित छह परिसरों पर छापेमारी कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, जाँच अनिल अंबानी के व्यावसायिक समूह की कई कंपनियों के इर्द-गिर्द घूम रही है, खासकर रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर (आर इन्फ्रा) पर, जिस पर 17,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण डायवर्जन के आरोप हैं।

सेबी की एक रिपोर्ट के निष्कर्षों का हवाला देते हुए, ईडी ने आरोप लगाया है कि आर इंफ्रा ने अंतर-कॉर्पोरेट जमा (आईसीडी) के बहाने रिलायंस समूह की अन्य संस्थाओं को धन हस्तांतरित किया। ये लेन-देन कथित तौर पर सीएलई नामक एक कंपनी के माध्यम से किए गए थे, जिसके बारे में जाँचकर्ताओं का दावा है कि आर इंफ्रा ने इसे 'संबंधित पक्ष' के रूप में प्रकट नहीं किया था। ऐसा माना जाता है कि यह कदम अनिवार्य शेयरधारक और लेखा परीक्षा समिति की मंजूरी से बचने के लिए उठाया गया था। इससे पहले अगस्त में, रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी समूह की कई कंपनियों से जुड़े कई धोखाधड़ी मामलों से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जाँच के सिलसिले में ईडी के सामने पेश हुए थे। 66 वर्षीय उद्योगपति को नई दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में तलब किया गया था, जहाँ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत उनका बयान दर्ज किया गया था।

कथित ऋण धोखाधड़ी की व्यापक जाँच के तहत, ईडी ने 39 बैंकों से भी संपर्क किया है और उनसे उचित परिश्रम में संभावित खामियों के बारे में स्पष्टीकरण माँगा है। एजेंसी ने सवाल किया है कि जब उधार लेने वाली संस्थाओं ने ऋण चुकाने में चूक शुरू कर दी, तो इन वित्तीय संस्थानों ने ऋणों को संदिग्ध क्यों नहीं बताया या नियामकों को इसकी सूचना क्यों नहीं दी।

### गाजा युद्ध पर ट्रंप के प्लान का चीन ने किया समर्थन

# 8 अरब और मुस्लिम बहुल देश भी हुए खुश, कहा-तत्काल एक्शन शुरू हो

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को गाजा में युद्ध समाप्त करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना का समर्थन किया जिसमें शत्रुता को तत्काल समाप्त करना और हमास द्वारा बंधक बनाए गए 20 जीवित इजराइली बंधकों को रिहा करना शामिल है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने नई 20-सूत्री योजना के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, "फिलीस्तीन और इजराइल के बीच तनाव कम करने के सभी प्रयासों का चीन स्वागत और समर्थन करता है।"

प्रवक्ता ने कहा कि चीन सभी संबंधित पक्षों से संयुक्त राष्ट्र के प्रासंगिक प्रस्तावों को ईमानदारी से लागू करने, गाजा में तत्काल और व्यापक युद्धविराम लागू करने, सभी बंदियों को रिहा करने और स्थानीय मानवीय संकट को तत्काल कम करने का आह्वान करता है। ट्रंप के समझौते पर टिप्पणी करते हुए, शंघाई इंटरनेशनल स्टडीज यूनिवर्सिटी के मिडल ईस्ट स्टडीज इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर लियू झोंगमिन ने मंगलवार को चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स को बताया कि ट्रंप प्रशासन की 20-सूत्री शांति योजना एक व्यापक रूपरेखा है जिसे गाजा युद्ध का अंत करीब होने के साथ बातचीत और समझौतों के माध्यम से विकसित किया गया है।

इससे पहले आठ अरब और मुस्लिम बहुल देशों ने गाजा में युद्ध समाप्त करने और अशांत क्षेत्रों में शांति बहाल करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20-सूत्रीय योजना का मंगलवार को स्वागत किया। ट्रंप और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच वार्ता के बाद जारी की गई इस योजना में गाजा में युद्ध को तत्काल समाप्त करने और हमास द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों को 72 घंटे के भीतर रिहा करने का प्रस्ताव है।

हमास ने अभी तक इस शांति योजना को स्वीकार नहीं किया है। जॉर्डन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्किए, सऊदी अरब और मिस्र के विदेश मंत्रियों ने शांति योजना का स्वागत किया। उन्होंने क्षेत्र में शांति के लिए अमेरिका के साथ साझेदारी के महत्व पर जोर दिया। एक संयुक्त बयान के अनुसार, मंत्रियों ने युद्ध समाप्त करने, गाजा के पुनर्निर्माण, फलस्तीनी लोगों के विस्थापन को रोकने और व्यापक शांति को आगे बढ़ाने के राष्ट्रपति ट्रंप के प्रस्ताव की घोषणा का स्वागत किया।

# यूट्यूब झुका! ट्रंप के अकाउंट निलंबन मुकदमे पर 2.45 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगा

वाशिंगटन। अदालत में दाखिल एक दस्तावेज़ के अनुसार, यूट्यूब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दायर मुकदमे का निपटारा करने के लिए 2.2 करोड़ डॉलर का भुगतान करने पर सहमत हो गया है। 6 जनवरी, 2021 को कैपिटल हिल पर हुए हमले के बाद, यूट्यूब ने ट्रंप का अकाउंट निलंबित कर दिया था। इस समझौते के तहत, 2.2 करोड़ डॉलर की राशि ट्रंप के व्हाइट हाउस निर्माण परियोजना के लिए ट्रस्ट फॉर द नेशनल मॉल के माध्यम से दी जाएगी, जो एक नए स्टेट बॉलरूम के निर्माण का समर्थन करता है। इसके अलावा, यूट्यूब अमेरिकी कंजर्वेटिव यूनियन सहित ट्रंप के अन्य सहयोगियों को 2.5 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगा।

कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में दायर दस्तावेजों के अनुसार, इस समझौते के तहत 2.2 करोड़ डॉलर की राशि नेशनल मॉल ट्रस्ट को दान की जाएगी और शेष राशि अमेरिकन कंजर्वेटिव यूनियन सहित अन्य वादियों को का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की थी।

एलन मस्क की कंपनी 'एक्स' ने उस समय ट्विटर के नाम से

जाएगी।

ट्रंप द्वारा दायर मुकदमों का निपटारा करने वाली कंपनियों में गूगल नवीनतम बड़ी टेक कंपनी है। जनवरी में, मेटा प्लेटफॉर्म्स ने फेसबुक से 2021 में उनके निलंबन से संबंधित मुकदमे का निपटारा करने के लिए 2.5 करोड़ डॉलर का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की थी। गूगल ने समझौते की पुष्टि की, लेकिन और कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। फाइलिंग के अनुसार, गूगल द्वारा शुरू किए जा रहे इस जानी जाने वाली कंपनी के खिलाफ एक करोड़ डॉलर में इसी तरह के मुकदमे का निपटारा करने पर सहमति व्यक्त की थी। गूगल ने समझौते में दायित्व स्वीकार करना शामिल नहीं है। फ़िलहाल, गूगल ने मामले में समझौते की पुष्टि की है, लेकिन इस मामले से जुड़ी किसी भी बात पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। इस समझौते का खुलासा 6 अक्टूबर, 2025 को निर्धारित मामले की अदालती सुनवाई से ठीक पहले हुआ, जहाँ इस मामले पर कैलिफ़ोर्निया के ओकलैंड में अमेरिकी ज़िला न्यायाधीश यवोन गोंजालेज-रोजर्स के समक्ष चर्चा होनी थी। इस मामले के संबंध में, डोनाल्ड ट्रंप के वकीलों ने कहा कि उन पर सेंसरशिप 'अस्तित्वहीन या व्यापक, अस्पष्ट और लगातार बदलते मानकों' के तहत लगाई गई थी। सेंसर तब हरकत में आए जब ट्रंप समर्थक दंगाइयों के खिलाफ घंटों चली झड़पों में लगभग 140 पुलिस अधिकारी घायल हो गए, जिन्होंने हॉकी स्टिक, बेसबॉल बैट वगैरह का इस्तेमाल किया था।

# क्वेटा में फ्रंटियर कॉर्प्स मुख्यालय के पास बड़ा धमाका, 10 की मौत, 32 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में मंगलवार को फ्रंटियर कॉर्प्स मुख्यालय के पास एक भीषण धमाका हुआ। विस्फोट इतना जोरदार था कि मॉडल टाउन समेत आसपास के संवेदनशील इलाकों में उसकी आवाज गूंज उठी। धमाके के तुरंत बाद फायरिंग भी शुरू हो गई, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पाकिस्तान की प्रमुख न्यूज वेबसाइट डॉन के अनुसार, इस धमाके में अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 32 लोग घायल बताए जा रहे हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। विस्फोट की ताकत इतनी ज्यादा थी कि आसपास की इमारतों और घरों की खिड़कियां चकनाचूर हो गईं।

बलूचिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर और स्वास्थ्य सचिव मुजीब-उर-रहमान ने सिविल अस्पताल क्वेटा, बीएमसी अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में आपातकाल घोषित कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी डॉक्टरों, फार्मासिस्ट, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को तत्काल ड्यूटी पर तैनात कर दिया है। घायलों और मृतकों को सिविल अस्पताल और बीएमसी अस्पताल भेजा गया है।

धमाके के बाद घटनास्थल से आग और धुएं का गुबार उठता देखा गया। रेस्क्यू टीम और पुलिस बल मौके पर पहुंच गए हैं। पूरे इलाके को सील कर कॉम्बिंग ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, धमाका बेहद शक्तिशाली था, लेकिन इसकी वजह का अभी तक पता नहीं चल सका है।

### आतंकवाद की आग में खुद ही जल रहा पाकिस्तान!

# क्वेटा के फ्रंटियर मुख्यालय धमाके में 10 लोगों की मौत, सुरक्षा एजेंसियां बेबस

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बलों पर मंगलवार को हुए बम हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए और 30 से ज़्यादा घायल हो गए। यह विस्फोट प्रांत की राजधानी क्वेटा में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के मुख्यालय के पास एक व्यस्त सड़क पर हुआ। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर ने हमले की पुष्टि की। उन्होंने मीडिया को बताया, "विस्फोट में दस लोग मारे गए हैं और 32 घायल हुए हैं।" घायलों को शहर के विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया। स्वास्थ्य सचिव मुजीबुर रहमान ने एक बयान में कहा, "क्वेटा सिविल अस्पताल, बलूचिस्तान मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) अस्पताल क्वेटा और ट्रॉमा सेंटर में आपातकाल घोषित कर दिया गया है।" किसी भी समूह ने विस्फोट की ज़िम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन बलूच विद्रोही समूह अक्सर प्रांत में सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाकर हमले करते रहते हैं।

# नेपाल ने 2 साल की मासूम को नई जीवित 'कुमारी देवी' के रूप में चुना

काठमांडु। नेपाल की नयी जीवित देवी के रूप में चुनी गई दो वर्षीय बच्ची को देश के सबसे लंबे और सबसे महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार के दौरान मंगलवार को काठमांडू की एक गली में स्थित उनके घर से परिवार के सदस्य मंदिर ले गए। दो वर्ष और आठ महीने की उम्र में आर्यतारा शाक्य को नयी कुमारी या 'कुमारी देवी' के रूप में चुना गया, जो उस वर्तमान कुमारी का स्थान लेंगी जिसे परम्परा के अनुसार यौवन प्राप्त करने पर सामान्य इंसान माना जाता है। हिंदू और बौद्ध दोनों ही जीवित देवियों की पूजा करते हैं। इन बच्चियों का चयन दो से चार साल की उम्र के बीच किया जाता है और उनकी त्वचा, बाल, आंखें और दांत बेदाग़ होने चाहिए। उन्हें अंधेरे से डरना नहीं लगना चाहिए। धार्मिक उत्सवों के दौरान, जीवित देवी को भक्तों द्वारा खींचे जाने वाले रथ पर घुमाया जाता है। वे हमेशा लाल वस्त्र पहनती हैं, बालों में चोटी बांधती हैं और माथे पर 'तीसरी आंख' अंकित होती है। मंगलवार को परिवार, मित्रों और भक्तों ने शाक्य की काठमांडू की सड़कों पर सवारी निकाली, जिसके बाद उन्हें मंदिर के महल में प्रवेश कराया गया, जो कई वर्षों तक उनका घर रहेगा। भक्तों ने कन्याओं के चरण स्पर्श करने के लिए कतारों में खड़े होकर उन्हें फूल और धन भेंट किया। नयी कुमारी बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति सहित भक्तों को आशीर्वाद देंगी। आर्यतारा शाक्य के पिता अनंत शाक्य ने कहा, 'कल तक वह मेरी बेटी थी, लेकिन आज वह देवी है।' उन्होंने कहा कि आर्यतारा के जन्म से पहले ही संकेत मिल रहे थे कि वह देवी बनेगी।

**Facebook:** https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)